हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 12 अंक : 110 देहरादून, शुक्रवार, 20 अक्टूबर, 2023 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

कृषि मंत्री गणेश जोशी ने हर्षिल में दो दिवसीय सेब महोत्सव का किया शुभारंभ 3

अब तक 54 हजार करोड़ से अधिक के एमओयू : मुख्यमंत्री

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

नयी दिल्ली , 20 अक्टूबर , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नई दिल्ली में मीडिया से वार्ता करते हुए कहा कि उत्तराखण्ड ग्लोबल इन्वेस्टर समिट के तहत पहले लंदन, बर्मिंघम, दिल्ली में तथा अभी दुबई और अबू धाबी में विभिन्न निवेशक समूहों के साथ बैठकें हुई। पर्यटन, स्वास्थ्य, शिक्षा, फार्मा, कृषि, एग्रो के क्षेत्र में निवेशकों से काफी करार हुए हैं। निवेशकों का उत्तराखण्ड आने के लिए और निवेश के लिए मन में आकर्षण है।

उन्होंने कहा कि हजारों करोड़ के निवेश पर दुबई और आबू धाबी में करार हुआ है। इसके अलावा काफी प्रस्ताव भी प्राप्त हुए हैं। देश के अन्य शहरों में भी निवेशकों के साथ संवाद और रोड शो किये जायेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का प्रयास है कि 08-09 दिसम्बर 2023 को देहरादून में प्रस्तावित इन्वेस्टर्स समिट तक अभी तक हुए सभी करारों को धरातल पर उतारने का कार्य हो। उन्होंने कहा कि विभिन्न बैठकों में जो भी सुझाव प्राप्त हो रहे हैं, उन सुझावों पर भी अमल किया जायेगा। जो भी करार हुए हैं और प्रस्ताव आये हैं, राज्य के लिए कौन से उपयोगी हैं और भविष्य में फायदेमंद हो सकते हैं, उनका पूरा आंकलन कर आगे कार्य किये जायेंगे।

निवेश के साथ-साथ स्थानीय लोगों को रोजगार उपलब्ध कराने वाले और प्राथमिक सेक्टर को मजबूत बनाने वाले प्रस्तावों एवं करारों को प्राथमिकता के आधार पर प्रोत्साहित किया जायेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने जो भी नीतियां बनाई हैं, निवेशकों, उद्योगों एवं उत्तराखण्ड के लोगों के हितों को ध्यान में रखकर बनाई हैं।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बताया कि दो दिवसीय यूएई दौरे के दौरान कुल मिलाकर पंद्रह हजार चार सौ पच्चहत्तर करोड़ (15475 करोड) के इन्वेस्टमेंट एमओयू किए गए। जिसके तहत पहले दिन दुबई में 11925 करोड़ एवं दूसरे दिन अबू धाबी में 3550 करोड़ के इन्वेस्टमेंट एमओयू शामिल हैं।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में अब तक संयुक्त अरब अमीरात, ब्रिटेन एवं दिल्ली में कुल मिलाकर अब तक चौवन हजार पांच सौ पचास करोड़ (54550 करोड) के इन्वेस्टमेंट एमओयू साइन किए जा चुके हैं। जिसमें यूएई में 15475 करोड, ब्रिटेन में 12500 करोड़ एवं ब्रिटेन में 12 हज़ार 500 करोड़ एवं दिल्ली में आयोजित दो अलग-अलग कार्यक्रमों में 26,575 करोड़ के एमओयू (4 सितंबर को 7600 करोड़ एवं 4 अक्टूबर को दिल्ली रोड शो के दौरान 18975 हजार करोड़ रूपये) किये जा चुके हैं।

डीएम सोनिका ने ली जनपद में डेंगू की स्थिति के सम्बन्ध में समीक्षा बैठक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। जिलाधिकारी सोनिका ने ऋषिपर्णा सभागार कलेक्ट्रेट में डेंगू की रोकथाम एवं नियंत्रण एवं वर्तमान में जनपद में डेंगू की स्थिति के सम्बन्ध में समीक्षा बैठक की। जिलाधिकारी जनपद में संचालित चिकित्सालय एवं मेडिकल कालेज, ब्लड बैंक एवं डेंगू कन्ट्रोलरूम में कार्यरत चिकित्सकों, कार्मिकों को आपसी समन्वय से कार्य करने के निर्देश दिए तथा कहा कि डेंगू के मामलों में कमी आई है किन्तु सभी कि जिम्मेदारी है कि जब तक डेंगू के मामले आने रूक नही जाते तब-तक सभी सतर्कता एवं समन्वय से कार्य करें। उन्होंने निर्देश दिए कन्ट्रोलरूम में प्राप्त होने वाली शिकायतों पर त्वरित संज्ञान लेते हुए समन्वय कर निराकरण करें।

जिलाधिकारी ने जनमानस से अनुरोध किया कि डेंगू सुरक्षात्मक व्यवहार अपनाते रहें कहा कि जनपद में डेंगू के मामलों में कमी आई है किन्तु अभी सतर्कता बरतने की आवश्यकता है। उन्होंने जनमानस से अपेक्षा की वे डेंगू के बचाव के सभी उपाय करते रहें तथा आसपास पानी एकत्रित न होने दें, अपने आसपास सफाई रखें, पूरी बाजू के कपड़े पहने तथा अन्य को भी इसके लिए जागरूक करें।

बैठक में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व रामजीशरण शर्मा, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ संजय जैन, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ सी.एस रावत, एमडी आईएमए से डॉ संजय उप्रेती, जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ मनोज वर्मा, सहित नोडल ब्लड बैंक दून मेडिकल कालेज, महन्त इन्दिरेश हॉस्पिटल, ग्राफिक एरा एवं अन्य चिकित्सालयों के सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहे।

बीस सूत्री कार्यक्रम क्रियान्वयन में टिहरी का पहला स्थान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। बीस सूत्री कार्यक्रम क्रियान्वयन में राज्य में टिहरी नंबर वन रहा है। अप्रैल से अगस्त के बीच किए गए कार्यों के आधार पर तय रैंकिंग में दूसरे नंबर पर यूएसनगर और तीसरे पर देहरादून रहा है। जबकि हरिद्वार सबसे आखिरी पायदान पर है। मंडलवार रैंकिंग में कुमाऊं प्रथम रहा है। राज्य स्तरीय बीस सूत्री कार्यक्रम समिति के उपाध्यक्ष ज्योति प्रसाद गैरोला ने भविष्य में ब्लॉक स्तर भी रैंकिंग करने के निर्देश दिए। गैरोला खुद भी अगले चार महीने प्रदेश भर में दौरे कर समीक्षा करेंगे। गुरूवार को नैशविला रोड स्थित अर्थ एवं संख्या निदेशालय में गैरोला ने बीस सूत्री कार्यकम की समीक्षा की। शोध अधिकारी जेसी चंदोला ने जिलावार 33 मानकों के क्रियान्वयन का प्रेजेंटेशन दिया। बताया कि पिछले माह सितंबर से सर्वेक्षण शुरू किया गया है। इसके तहत चयनित 1170 स्कूलों में से 430 में सर्वेक्षण किया जा चुका है।

गैरोला ने स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं के साथ साथ बालिकाओ के लिए पृथक टॉयलेट और सफाई व्यवस्था की जानकारी भी ली। जनहित योजनाओं को लेकर ग्राम पंचायत स्तर पर जागरूकता अभियान शुरू करने के निर्देश भी दिए। मालूम हो कि बीस सूत्री कार्यक्रम के तहत 33 मानक तय है। इन पर किए गए कार्यों के आधार पर जिलों की रैंकिंग की जाती है। बैठक में निदेशक एवं विभागध्यक्ष बीस सूत्री कार्यक्रम सुशील कुमार, संयुक्त निदेशक चित्रा, टीएस अन्ना, डॉ. डीसी बड़ोनी आदि मौजूद रहे।

अनाधिकृत ढाबों पर नहीं रुकेगी अब रोडवेज की बसें

देहरादून। रोडवेज बस के ड्राइवर और कंडक्टर अब भोजन और जलपान के लिए बसें अनाधिकृत ढाबा या रेस्टोरेंट पर नहीं रोक सकेंगे, हर हाल में बस रोडवेज की ओर से अनुबंधित ढाबा या रेस्टोरेंट पर ही रोकनी होगी। ढाबा संचालक बस कंडक्टर को पीओएस मशीन से रसीद निकालकर देगा, जिसे कंडक्टर अपने डिपो में मार्ग पत्र के साथ जमा करवाएंगे। रोडवेज ने देहरादून-दिल्ली, दिल्ली-नैनीताल- टनकपुर, नैनीताल-टनकपुर-दिल्ली, हरिद्वार-अंबाला-चंडीगढ़ समेत कई रूटों पर यात्रियों के भोजन और जलपान के लिए ढाबे अनुबंधित कर रखे हैं, ताकि यात्रियों को उचित दाम पर अच्छा भोजन मिल सके। लेकिन रोडवेज के ड्राइवर-कंडक्टर अनाधिकृत ढाबों पर बसें रोकते हैं। जहां यात्रियों से मनमाना दाम वसूलने के साथ अभद्र व्यवहार भी किया जाता है। ऐसी शिकायतें कई बार मिल चुकी हैं। इससे न केवल रोडवेज की छवि धूमिल हो रही है, बल्कि राजस्व का भी नुकसान हो रहा है। अब रोडवेज ने अनाधिकृत ढाबों पर बस रोकने वाले ड्राइवर-कंडक्टरों की मॉनिटिरिंग तेज कर दी है। गुरुवार को महाप्रबंधक संचालन दीपक जैन ने सभी मंडलीय प्रबंधक और डिपो के सहायक महाप्रबंधकों को आदेश कर दिए हैं। आदेश में कहा कि अब सभी ढाबा और रेस्टोरेंट में पीओएस मशीन से रसीद निकाली जाएगी, जिसे ढाबा स्वामी कंडक्टर को देगा, कंडक्टर इस रसीद को मार्ग पत्र के साथ डिपो में जमा करवाएगा।

युद्ध में अस्पतालों को क्यों नहीं बनाया जा सकता निशाना ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 20 अक्टूबर , इजरायल और हमास के बीच जंग जारी है. इस बीच गाजा पट्टी में अल-अहली बैपटिस्ट अस्पताल पर मिसाइल से हमला हुआ. इसमें सैकड़ों लोगों की मौत होने का दावा किया गया है. हमास समेत ज्यादातर अरब देशों ने मिसाइल अटैक के लिए इजरायल को जिम्मेदार बताया है. कई देशों की ओर से आतंकवादी समूह घोषित हमास का दावा है कि इस हमले में करीब 500 लोग मारे गए हैं. वहीं, गाजा में हमास की ओर से संचालित स्वास्थ्य मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि हमले में 200 से 300 लोगों की मौत हुई है. वहीं, इजरायल की ओर से कहा गया है कि इस हमले में उसका हाथ नहीं है.

युद्ध काल के दौरान स्कूलों और अस्पतालों पर किसी भी तरह से किया गया हमला संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद यानी यूएनएससी की ओर से चिह्नित व निंदित छह गंभीर उल्लंघनों में ये एक है. ये छह गंभीर उल्लंघन युद्ध के समय आम नागरिकों और खासतौर पर बच्चों के साथ होने वाले दुर्व्यवहार की निगरानी, रिपोर्टिंग और प्रतिक्रिया के लिए यूएन सिक्योरिटी काउंसिल के नियमों का आधार हैं. इन उल्लंघनों को खत्म और रोकना यूएनएससी के विशेष प्रतिनिधि के काम का हिस्सा हैं. बच्चों व सशस्त्र संघर्ष पर महासचिव की सालाना रिपोर्ट में स्कूल व अस्पताल पर हमले सशस्त्र संघर्ष के पक्षों को सूचीबद्ध करते हैं.

अस्पताल पर हमला छह उल्लंघनों में एकस्कूल और अस्पताल शांति के क्षेत्र माने जाते हैंयुद्ध का अस्पताल - स्कूलों पर सीधा असर

स्कूल और अस्पताल शांति के क्षेत्र माने जाते हैं, जहां युद्ध के समय भी सुरक्षा दी जाती है. फिर भी बच्चों पर बुरा असर डालने के लिए स्कूलों और अस्पतालों पर हमला करने की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है. स्कूलों और अस्पतालों को प्रत्यक्ष और भौतिक नुकसान होने के अलावा संघर्ष के दौरान जबरन बंद किया जा सकता है या इनका कामकाज रोका जा सकता है. बच्चों, शिक्षकों, डॉक्टरों और नर्सों को भी संदेह होने पर धमकियों का सामना करना पड़ सकता है. इसके अलावा सैन्य जरूरतों को पूरा करने के लिए स्कूलों का इस्तेमाल भी चिंता का विषय है.

कुछ सशस्त्र समूह लड़कियों की शिक्षा या पुरुष चिकित्सा कर्मियों के लड़कियों का इलाज किए जाने का विरोध करते हैं. बाद में इन सेवाओं तक लड़कियों की पहुंच में रुकावट डालते हैं. युद्ध के कारण असुरक्षा का माहौल बच्चों, शिक्षकों और चिकित्सा कर्मियों को स्कूल जाने या चिकित्सा सहायता लेने से रोकता है. उदाहरण के लिए, माता-पिता को अस्थिर सुरक्षा स्थिति में

अपने बच्चों को स्कूल भेजना सबसे ज्यादा जोखिम वाला काम लग सकता है या बाधाओं के कारण बच्चों को समय पर अस्पतालों तक पहुंचने से रोका जा सकता है.

अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून के तहत निषेध अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून के तहत स्कूल और अस्पताल दोनों सुरक्षित नागरिक स्थल हैं. इसलिए दोनों को मानवीय सिद्धांतों का फायदा मिलता है. साल 2011 के बाद से प्रत्यक्ष हमलों और खतरों के कारण स्कूल या अस्पताल बंद करने को सशस्त्र संघर्ष के दौरान बच्चों के खिलाफ गंभीर उल्लंघन माना गया है. साथ ही उल्लंघन करने वाले पक्षों को महासचिव की सूची में शामिल करने के लिए ट्रिगर के तौर पर जोड़ दिया गया है.

प्रार्थना के अंत में आमीन क्यों बोला जाता है?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 20 अक्टूबर , हमने कई धार्मिक लोगों को कुछ खास शब्द कहते सुना है जो धर्म विशेष से जुड़ा होता है. भारत में हिंदू धर्म में लोग अपने इष्ट देवता का नाम बार बार पुकारते हैं तो कई बार कुछ सामान्य शब्द या जयकारा एक नारे का रूप ले लेता है. अमूमन ऐसा देखने या सुनने को नहीं मिलता है कि किसी धर्म के लोग किसी शब्द का इस्तेमाल बार बार करते हों और उसी शब्द को दूसरे धर्म के लोग भी उपयोग में लाते हों. लेकिन ऐसे शब्द होते हैं ऐसा ही एक शब्द है आमीन. हैरानी की बात यह है कि इसका उपयोग मुस्लिम, ईसाई और यहूदी तीनों सम्प्रदाय के लोग इस्तेमाल करते हैं.

सदियों पुरना है शब्द

आमीन हिब्रू भाषा का शब्द है जो करीब 2500 साल से भी अधिक पुराना है. हिब्रू भाषा में

यह विश्वास शब्द के बहुत करीब अर्थ रखता है. इसे आमतौर पर धार्मिक या ईश्वर पर गहरा विश्वास करने वाले लोग बोलते हैं. यह शब्द लंबे समय से यहूदीयों से जुड़ा रहा और यह लंबे समय तक शपथ लेने से जुड़ा रहा. लेकिन बाद में इसका व्यापक अर्थ बना और यह ईसाई और इस्लाम धर्म में भी चला गया.

क्या होता है इसका मतलब

आमेन या आमीन शब्द का अर्थ "ऐसा ही हो" होता है, हिंदी में यह शब्द धार्मिक तौर पर इस्तेमाल किए जाने वाले शब्द तथास्तु के बहुत करीब है. मुस्लिमों के लिए यह आमीन शब्द हो गया और इसे प्रार्थना के अंत समय पर बोला जाने लगा. इसे केवल अकेला ही बोला जाता है और कई लोग इसे बहुत ही अच्छी धार्मिक बात कहने के बाद भी कहते पाए जाते हैं.

ईसाई धर्म में

ईसाई धर्म में आमीन या आमेन भी प्रार्थनाओं और दुआओं के अंत में बोला जाता रहा है. ईसाई लोग इसे सामूहिक और निजी दोनों प्रार्थनाओं में इस्तेमाल करते हैं. बाइबल में कई जगह इस शब्द का जिक्र है जो कि किसी खास तरह की प्रार्थना के तौर पर नहीं कि कुछ खास स्थितियों के किस्सों से जुड़े हैं. यह केवल संयोग की बात है कि इस शब्द के उच्चारण में अधिक बदलाव नहीं आए, वैसे तो स्थानीय बोली कारण में इस शब्द में आमेन, अमिन या आमीन जैसे उच्चारण पाए जाते हैं, लेकिन लगभग हर जगह इसका अर्थ और उपयोग का उद्देश्य एक ही रहता आया है. हिब्रू भाषा से यह शब्द ग्रीक में, फिर लैटिन, अंग्रेजी और अन्य भाषाओं में वैसा का वैसा ही चला गया लेकिन इसका अर्थ बिलकुल नहीं बदला.

सांस्कृतिक तौर पर देखा जाए तो हिंदी में अर्थ के लिहाज से आमीन शब्द के सबसे करीबी शब्द तथास्तु कहा जा सकता है. हालाकि हिंदू धर्म की प्रार्थनाओं के अंतर में तथास्तु शब्द उपयोग में नहीं आता है, लेकिन दोनों ही शब्द "ऐसा ही हो" अर्थ ही प्रदर्शित करते है और देवता वरदान देते समय इसका उपयोग करते हैं, जैसा कि बाइबल में आमीन को लेकर बताया जाता है.

जमकर बजेगा बैंड, 35 लाख शादियों की संभावना

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 20 अक्टूबर , अगले महीने 23 नवंबर से देशभर में शादियों का सीजन शुरू हो जाएगा। इसी बीच एक बड़ी खबर सामने आ रही है। एक सर्वे में पता चला है कि इस बार के सीजन में 23 दिन में देशभर में 35 लाख शादियां होंगी। इतना ही नहीं शादियों के कार्यक्रम से जुड़ी इंडस्ट्री के भी हाथ कमाई का लड्डू का लगने वाला है, क्योंकि वेडिंग इंडस्ट्री इस बार 4.25 लाख करोड़ रुपये का कारोबार करने वाली है।

2022 में हुई थीं इतनी शादियां

हाल ही में आई कैट रिसर्च एंड ट्रेड डेवलपमेंट सोसायटी की सर्वे रिपोर्ट के अनुसार, साल 2022 के मुकाबले इस साल यानी 2023 में कहीं ज्यादा शादियां होंगी। इसके कारण शादियों से जुड़े उद्योगों को भी बड़ा मुनाफा होने की उम्मीद है। सर्वे में बताया गया है कि साल 2022 में करीब-करीब 32 लाख शादियां में 3.75 लाख करोड़ का कारोबार हुआ था। रिपोर्ट में कहा गया है कि ये सर्वे देश के प्रमुख 20 शहरों के कारोबारियों और सर्विस प्रोवाइडर के आधार पर जारी किया था।

दूल्हा-दुल्हन पर खर्च होता है रकम का इतना हिस्सा

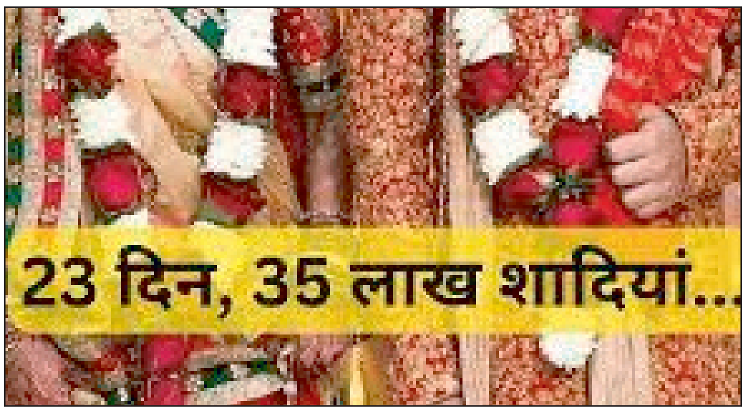

कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने एक मीडिया रिपोर्ट के हवाले से कहा है कि इस बार शादियों की संख्या को देखते हुए कारोबार की बेहतर संभावना है। इसको देखते हुए देशभर के व्यापारियों ने भी बड़े स्तर पर तैयारियां की हैं। सर्वे में इस बात का भी जिक्र किया गया है कि शादी के कुल खर्चे 20 फीसदी दूल्हा और दुल्हन पर खर्च किया जाता है। जबकि बाकी 80 प्रतिशत खर्चा पूरे कार्यक्रम पर किया जाता है। सर्वे के अनुसार, सिर्फ दिल्ली में ही इस बार 3.5 लाख से ज्यादा शादियां होंगी।

ये हैं नवंबर और दिसंबर की शुभ तारीखें

बताया गया है कि इस बार शादियों के लिए 11 शुभ मुहूर्त हैं। बताया गया है कि 23 नवंबर से शुरू हो कर ये सीजन 15 दिसंबर तक चलेगा। नवंबर की बात करें तो शुभ तिथियां 23, 24, 27, 28 29 हैं, जबकि दिसंबर में 3, 4, 7, 8, 9 15 तारीख शुभ है। लिहाजा जिन परिवारों में शादियां होनी हैं, वहां तैयारी तेज हो गई हैं। घरों में रंगाई और पुताई का काम भी शुरू हो गया है।

अनोखा मंदिर जहां चोरी करने पर ही होती है मनोकामना पूरी !

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 20 अक्टूबर , चोरी करने पर सजा मिलती है ऐसा तो आपको पता है। लेकिन क्या आपने कभी ऐसे मंदिर के बारे में सुना है जहां पहले आपको चोरी करनी पड़ेगी। तभी देवी मां आपकी मनोकामना पूरी करेंगीं। जी हां भारत में एक ऐसा मंदिर भी है, जहां पर मंदिर में चोरी करने पर ही सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। आप हैरान होंगे लेकिन ये सच है।हम बात कर रहे हैं देवभूमि उत्तराखंड स्थित सिद्धपीठ चूड़ामणि देवी मंदिर की। जहां एक अजीब प्रथा चली आ रही है। यहां की कहानी जरा हटके है। दरअसल, इस धार्मिक स्थान पर अपनी मनोकामना पूरी करने के लिए लोगों को चोरी करनी होती है।

1805 में बना था यह मंदिर

उत्तराखंड के चुड़ियाला गांव स्थित देवी का सिद्धपीठ चूड़ामणि मंदिर एक ऐसा मंदिर है, जिसमें चोरी करने के बाद ही सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। स्थानीय लोगों की मानें तो मंदिर का निर्माण 1805 में लंढौरा रियासत के राजा ने कराया था। ऐसी मान्यता है कि जंगल में राजा एक बार शिकार करने गए थे। वहां उन्हें मां की पिंडी के दर्शन हुए। राजा के पुत्र नहीं था। उसने तब माता से पुत्र प्राप्ति का वरदान मांगा। उसकी

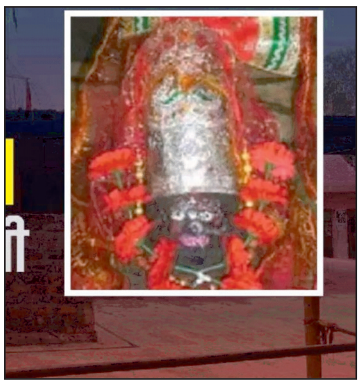

मुराद पूरी हुई। मन्नत पूरी होने पर उसने इस मंदिर का निर्माण करवाया था।

लोकड़ा करना पड़ता है चोरी

पुत्र प्राप्ति के लिए श्रद्धालु दूर—दूर से दर्शनों के लिए आते हैं। ऐसी मान्यता यह है कि अगर आप पुत्र की चाह रखते हैं तो मंदिर में आकर माता के चरणों में रखा लोकड़ा चोरी करना होता है। चोरी करके इसे अपने साथ ले जाने पर घर में पुत्र रत्न की प्राप्ति होती है। लकड़ी के गुड्डे को लोकड़ा कहा जाता है। पुत्र की कामना पूरी होने पर मंदिर में एक बार फिर दर्शन के लिए आना होता है।

कृषि मंत्री गणेश जोशी ने हर्षिल में दो दिवसीय सेब महोत्सव का किया शुभारंभ

मंत्री गणेश जोशी ने हर्षिल को फल पट्टी घोषित करने की घोषणा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तरकाशी 19 अक्टूबर : प्रदेश के कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री गणेश जोशी गुरुवार को सीमांत जनपद उत्तरकाशी के वाइब्रेंट विलेज हर्षिल पहुंचे। जहां कृषि मंत्री गणेश जोशी ने दो दिवसीय ₹राज्य स्तरीय सेब महोत्सव - 2023₹ का शुभारंभ किया। इस दौरान मंत्री गणेश जोशी ने सेब महोत्सव में लगी सेब की विभिन्न प्रजातियों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया। प्रदर्शनी में रेड चीफ, ऑर्गन स्पर, सुपर चीफ, गाला, गोल्डन डेलीशियस, रॉयल डेलीशियस, रेड डेलीशियस, फैनी, रॉयमर, जोनाथन, बकिंघम, रेड ब्लाक, जिंजर गोल्ड, पिंक लेडी, ग्रेमी स्मिथ, रेड गोल्डन, ग्रीन स्वीट, रेड फ्यूजी, क्रेब एप्पल सहित कई सेब की प्रजाति प्रदर्शित की गई। इस दौरान मंत्री गणेश जोशी ने हर्षिल को फलपट्टी की घोषणा भी की। इस दौरान मंत्री ने ड्रोन स्प्रेयर मशीन का भी अवलोकन किया। इस दौरान मंत्री ने वाइब्रेंट विलेज के तहत ग्रामीणों और किसानों की समस्या को भी सुना।

इस अवसर पर कृषि मंत्री गणेश जोशी ने वाईब्रेन्ट विलेज हर्षिल घाटी में उत्तराखण्ड के बहु प्रसिद्ध सेब उत्पादक क्षेत्र हर्षिल उत्तरकाशी में उद्यान विभाग द्वारा दो दिवसीय ₹राज्य स्तरीय सेब महोत्सव - 2023₹ के आयोजन पर प्रसन्नता व्यक्त की। कृषि मंत्री गणेश जोशी ने कहा इस महोत्सव में राज्य में उत्पादित विभिन्न प्रकार की सेब प्रजातियों का संकलन देखने को मिलेगा। साथ ही सेब उत्पादन की विभिन्न तकनीकों का सजीव प्रदर्शन, विभिन्न कंपनियों/संस्थानो (पौधशाला प्रबंधन, सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली, उद्यानिकी यंत्रीकरण, तुड़ाई उपरांत प्रबंधन, पैकेजिंग, विपणन एवं प्रसंस्करण) एवं विभिन्न सेब उत्पादकों द्वारा भौतिक रूप से प्रतिभाग किया गया है। इस प्रकार के आयोजन से राज्य में सेब के उत्पादन को व्यावसायिकता के आधार पर उच्च स्तर तक ले जाया जा सकता है। उन्होंने कहा देश में कुल 3.05 लाख है0 में 26.60 लाख मै0टन सेब का उत्पादन किया जा रहा है, जिसमें उत्तराखंड में 0.65 लाख मै0टन सेब का उत्पादन किया जा रहा है, जिसमें सर्वाधिक उत्पादन जनपद उत्तरकाशी में लगभग 45 प्रतिशत (29018 मै0टन) है। उत्तराखण्ड के समस्त पर्वतीय जनपदों में सेब का उत्पादन किया जा रहा है, जिसमें मुख्य रूप से जनपद उत्तरकाशी, देहरादून, अल्मोडा, नैनीताल, एवं चमोली सम्मिलित हैं। उन्होंने कहा वर्ष 2020-21 के आकडो के अनुसार में राज्य में उत्पादित सेब की उत्पादकता मात्र 2.50 मै0टन/ है० है। आवश्यक है कि उच्च गुणवत्तायुक्त पौध रोपण सामग्री के माध्यम से नये बागानो की स्थापना की जाए तथा पुराने अनुत्पादक बागों का जीर्णोद्वार कर उत्पादकता में वृद्धि की जाय।

उन्होंने कहा कि कृषकों को सेब फलों की पैकिंग एवं ब्रांडिग के माध्यम से उचित मूल्य दिलाये जाने हेतु 50 प्रतिशत राजसहायता पर कोरोगेटेड बॉक्स (एप्पल ट्रे सहित) उपलब्ध कराये जा रहे है। इस वर्ष अभी तक जनपद उत्तरकाशी में 20 कि0ग्रा0 के 2 लाख तथा 10 कि0ग्रा0 के 56,000 कोरोगेटेड बॉक्स कृषकों को वितरित किये जा चुके है, तथा कृषकों की मांग के अनुसार वितरण की कार्यवाही गतिमान है। मंत्री ने कहा राज्य में सेब के गुणवत्तायुक्त एवं अधिक उत्पादन प्राप्त किये जाने के लिए राज्य सरकार द्वारा सेब की अति सघन बागवानी की योजना स्वीकृत की गयी है, जिसके अन्तर्गत 08 वर्षो में 5000 हैक्टेयर में सेब की अति सघन बागवानी का लक्ष्य रखा गया है। योजनान्तर्गत 50000 प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होगें एवं 08 वर्षो में सेब का व्यवसाय 200 से 2000 करोड़ तक प्राप्त किये जाने का लक्ष्य रखा गया है। राज्य में सेब के 'सी' श्रेणी के फलों के लिए सरकार द्वारा बाजार हस्तक्षेप योजना के अन्तर्गत वर्ष 2023-24 में रु. 12.00 प्रति किग्रा की दर से न्यूनतम समर्थन मूल्य घोषित किया गया है। मंत्री ने शीतोष्ण फलों (मुख्यतः सेब) को बढ़ावा देने के लिए बागवानी के अंतर्गत अपनायी जाने वाली समस्त तकनीकों को एकीकृत रूप से एक ही स्थान पर प्रदर्शित करने के लिए बागवानी मिशन की सहायता से चौबटिया, रानीखेत में रु. 10.00 करोड़ की लागत से सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना नीदरलैण्ड के सहयोग से प्रस्तावित है। उन्होंने पुर्नगठित मौसम आधारित फसल बीमा योजनान्तर्गत सेब की फसल को सुरक्षा प्रदान की जा रही है, जिसमें ओलावृष्टि से सुरक्षा भी सम्मिलित की गयी है तथा साथ ही बागवानी मिशन योजना एवं राज्य योजना के द्वारा ओलारोधक जाली पर 75 प्रतिशत अनु...

राज्यपाल ने ली राज्य विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की बैठक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने गुरुवार को राजभवन में राज्य विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की बैठक ली। बैठक में सभी विश्वविद्यालयों के कुलपति और शासन के उच्चाधिकारी मौजूद रहे। बैठक में राज्यपाल ने कहा कि सभी विश्वविद्यालय राज्य हित में योगदान हेतु उनकी विशेषज्ञता के आधार पर एक-एक शोध प्रस्तुत करें। उन्होंने कहा कि वन यूनिवर्सिटी-वन रिसर्च पर आधारित यह शोध राज्य के विकास और लोगों के जीवन उन्नयन हेतु उपयोगी साबित हो। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय एक वर्ष तक अपने गहन शोध के माध्यम से अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करें, जो राज्य के सामाजिक और आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाए। विश्वविद्यालय अपनी विशेषज्ञता के अनुसार अपने शोध के विषय चयन करेंगे।

राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालय के शोध के आधार पर तैयार दस्तावेज को जमीनी स्तर पर लागू किये जाने हेतु इसे सरकार से साझा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों के शोध एवं अनुसंधान का लाभ लोगों को मिले तभी इसकी सार्थकता होगी। बैठक में सभी कुलपतियों द्वारा शोध किये जाने वाले विषयों पर अपने अपने प्रस्तुतिकरण दिये।

राज्यपाल ने कहा कि कुलपति डिजिटलीकरण, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और टेक्नोलॉजी का उपयोग करते हुए विश्वविद्यालयों में जवाबदेही और पारदर्शिता सुनिश्चित करें। उन्होंने विश्वविद्यालयों की प्रत्येक कार्यप्रणाली में तकनीक का अधिक से अधिक उपयोग करने के निर्देश दिये। राज्यपाल ने नवीन तकनीकों पर आधारित विश्वविद्यालयों की बेस्ट प्रेक्टिसिज को आपस में साझा करने पर भी जोर दिया। राज्यपाल ने कहा कि विद्यार्थियों को अच्छे संस्थानों में चयनित किये जाने हेतु विशेष प्रयास किये जाए, इसके लिए शिक्षा की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए।

राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालयों में शिक्षकों व शोधकर्ताओं को प्रोत्साहित करने हेतु बेस्ट टीचर व बेस्ट रिसर्चर्स अवॉर्ड शुरू किये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि इससे शिक्षक व शोधार्थी प्रेरित होंगे और वे अधिक ऊर्जा के साथ कार्य करेंगे। राज्यपाल ने विश्वविद्यालयों में ई-लाइब्रेरी स्थापित किये जाने हेतु भी कुलपतियों को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि तकनीकी की इस दौर में ई-लाइब्रेरी का होना बेहद जरूरी है जिसमें छात्रों के लिए पाठ्य सामग्री ऑनलाइन उपलब्ध रहें।

इस दौरान राज्यपाल ने वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखण्ड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (यूटीयू) की ई-लाइब्रेरी का शुभारंभ भी किया। इस ई-लाइब्रेरी में 7.24 लाख पाठ्यसामग्री उपलब्ध हैं। इसमें एक हजार से अधिक विश्वविद्यालयों के ई-शोध पत्र, एक लाख से अधिक वीडियो लेक्चर और 19 हजार से अधिक ई-बुक्स उपलब्ध रहेंगी।

बैठक में यूटीयू के कुलपति प्रो. ओंकार सिंह ने विश्वविद्यालय द्वारा दिये जाने वाले अंक तालिका एवं उपाधियों में सुरक्षा विशेषता संबधी प्रस्तुतिकरण दिया। उन्होंने बताया कि छात्रों को दी जाने वाले उपाधि व अंक तालिकाओं में 25 सुरक्षा विशेषता हैं जो डुप्लिकेसी की संभावना को खत्म करेगी इसकी शुरूआत विश्वविद्यालय द्वारा कर दी गई है। उन्होंने इसक लाइव डेमो भी दिया। उन्होंने विश्वविद्यालय में प्रक्रियाओं के डिजिटलीकरण से संबंधित अन्य नवाचारों की भी जानकारी दी। राज्यपाल ने तकनीकों पर आधारित नवाचारों के लिए उन्हें शाबासी दी।

इस बैठक में राज्यपाल ने कुलपतियों द्वारा विश्वविद्यालय में किए जा रहे नवाचारों की सराहना की और अधिक बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों की चुनौतियों के समाधान के लिए वे हमेशा तत्पर रहेंगे। बैठक में विश्वविद्यालयों द्वारा संस्थानों की संबद्धता सहित अन्य बिन्दुओं पर भी विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक में सचिव श्री राज्यपाल रविनाथ रामन, सचिव डॉ. पंकज कुमार पांडेय, चंद्रेश कुमार यादव, दीपेंद्र चौधरी, विधि परामर्शी श्री राज्यपाल श्री अमित कुमार सिरोही, अपर सचिव स्वाति एस भदौरिया, डॉ. आशीष कुमार श्रीवास्तव, डॉ विजय जोगदंडे, नमामि बंसल सहित राज्य विश्वविद्यालयों के कुलपति उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय डॉ.ओ.पी.एस नेगी, कुलपति श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय प्रो. एन के. जोशी, कुलपति जी.बी.पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय डॉ. मनमोहन चौहान, कुलपति आयुर्वेदिक विश्वविद्यालय प्रो. अरुण कुमार त्रिपाठी, कुलपति उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय प्रो. दिनेश चंद्र शास्त्री, कुलपति चिकित्सा शिक्षा विश्वविद्यालय प्रो. हेमचन्द्र, कुलपति कुमाऊँ विश्वविद्यालय दीवान सिंह रावत, कुलपति दून विश्वविद्यालय प्रो. सुरेखा डंगवाल, कुलपति औद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय डॉ. परविंदर कौशल और कुलपति सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय प्रो. सतपाल सिंह बिष्ट आदि उपस्थित रहे।

मां भगवती के पंचम स्वरूप स्कंदमाता देवी की पूजा-अर्चना की

देहरादून। शहर के विभिन्न मंदिरों में मां भगवती के पंचम स्वरूप स्कंदमाता देवी की पूजा अर्चना विधि विधान से की गई। साथ ही श्री दुर्गा सप्तशती के पाठ भी किए गए। सभी मंदिरों में भक्तों को नवरात्र की प्रतिपदा को घट स्थापना के साथ लगाई गई हरियाली के दर्शन के लिए श्रद्धालु जुट रहे हैं। पृथ्वीनाथ मंदिर में पंचम नवरात्र तिथि को मंदिरों में संपुट खोले गए और भक्तों ने हरियाली के रूप में मां भगवती के साक्षात दर्शन किए। सायं काल में मेला मैया की भजन संध्या में राही अकेला जागरण पार्टी ने एक से बढक़र एक मां की भेंट गाकर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने माता के भवन में फूलों की वर्षा.., मैं माफी मांगने आया.., मां का चोला है रंगला शेरा वाली का चोला है रंग लाल.., लाल चुनरी सितारों वाली.., किसने सजाया मां तेरा दरबार बड़ा प्यारा लागे.. ,मेला मैया का लगता है एक बार..पर सभी भक्ति धारा में बहने लगे। अंत में नवरात्रि पढ़े गए। सभी को पंच मेवा का प्रसाद वितरित किया गया। इस दौरान उत्तराखंड शिवसेना प्रमुख गौरव कुमार का माल्यार्पण कर उनका जन्मदिन मनाया गया।

प्रेम की प्रतीक चकोर है पाकिस्तान का राष्ट्रीय पक्षी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 20 अक्टूबर , चकोर पक्षी के बारे में कवियों, शायरों और गीतकारों ने खूब लिखा है. जब भी किसी प्रेमी की अपनी प्रतिका के प्रति प्रेम की पराकाष्ठा, समर्पण और आत्म-त्याग को दर्शाना होता है तो कवियों ने चांद व चकोर को प्रतीक के तौर पर इस्तेमाल किया है. इसमें चांद को प्रेमिका और चकोर को प्रेमी के तौर पर पेश किया जाता रहा है. बता दें कि चकोर सिर्फ कवियों की कल्पनाओं में ही शामिल नहीं रहा है, बल्कि ये पाकिस्तान का राष्ट्रीय पक्षी भी है. ये भारत और पाकिस्तान के पहाड़ी इलाकों में पाया जाने वाला खूबसूरत पक्षी है. चकोर दिखने और स्वभाव में तीतर जैसा पक्षी है. ये 4,000 से 13,000 फीट की ऊंचाई वाले इलाकों में पाए जाते हैं.

चकोर प्रेमी के रूप में हुआ मशहूर Bird symbolizing love

चकोर के पंखों पर काले और सफेद धारीदार निशान होते हैं. इसके चमकदार लाल चोंच और आंखों के चारों ओर लाल छल्ला होता है. एक काली पट्टी उनके चेहरे से लेकर छाती तक जाती है. चकोर उड़ सकते हैं, लेकिन आमतौर पर दौड़ते हैं और काफी फुर्तीले होते हैं. ये चट्टानी इलाके में आसानी से उड़ने में सक्षम होते हैं. पाकिस्तान में चकोर पक्षी को प्रेम का प्रतीक माना जाता है. चकोर पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी प्रांतों में रहते हैं. वे झाड़ियों और घास के मैदान वाले पहाड़ी इलाकों को पसंद करते हैं. उनकी सीमा पूर्व में चीन और पश्चिम में तुर्की और ग्रीस तक फैली हुई है. चकोर अमेरिका में भी पाए जाते हैं. इयके अलावा ये पक्षी कनाडा के पश्चिमी राज्यों में भी मिल जाता है.

पाकिस्तान का राष्ट्रीय पक्षी क्यों है चकोर ?

चकोर प्रेम का प्रतीक है और कभी-कभी इसे चंद्रमा के प्रति प्रेम के प्रतीक के तौर पर चांद को घूरते हुए चित्रित किया जाता है. चकोर हिंदू पौराणिक कथाओं में एक पौराणिक तीतर था, जिसके बारे में माना जाता था कि वह चंद्रमा की किरणों में रहता था और सौभाग्य का प्रतीक था. इन्हें इतना चालाक पक्षी माना जाता रहा है कि शिकारियों ने इसे 'शैतान पक्षी' उपनाम भी दिया है. दरअसल, ये नाम इन्हें बहुत तेज दौड़ने और मारने में मुश्किल होने के कारण दिया गया है. चांद पाकिस्तान के राष्ट्रध्वज में है. वहीं, इस्लाम में चांद की खासी अहमियत है. लिहाजा, चकोर के चांद के प्रति प्रेम को देखते हुए इसे पाकिस्तान का राष्ट्रीय पक्षी मान लिया गया. हालांकि, इसे पाकिस्तान के राष्ट्रध्वज या मुद्रा में कहीं स्थान नहीं दिया गया है.

इंजेक्शन बांह में ही क्यों लगाया जाता है

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 20 अक्टूबर , सामान्यतः जब भी किसी को टीका या इंजेक्शन लगाया जाता है तो बांह में ही लगाया जाता है. वैसे तो कुछ टीके और भी तरीके से लगाए जाते हैं लेकिन सबसे अधिक बांह में इंजेक्शन या टीका लगाने का चलन है. गौर करने वाली बात यह है कि इसकी वजह यही नहीं है कि बांह में टीका या इंजेक्शन लगाना आसान होता है बल्कि इसकी असल वजह यह है कि यहां टीका और इंजेक्शन लगाना ज्यादा कारगर होता है और इसके जरिए शरीर का प्रतिरोधक तंत्र वैक्सीन के प्रभाव को जल्दी से प्रभाव में ला सकता है. इसमें प्रतिरोधक कोशिकाओं के साथ लिम्फ नोड या लसिका पर्व की भूमिका होती है.

टीका लगाने के कई तरीके

टीका लगाने का तरीका हमेशा एक ही नहीं होता है. यानि सभी वैक्सीन मांसपेशी में नहीं लगाई जाती हैं. लेकिन अधिकांश मांसपेशी में वह भी बांह की मांसपेशी में लगाई जाती है. जहां रोटावायरस जैसी कुछ वैक्सीन को दवाई की तरह पिलाया जाता है., वहां खसरा, मम्स, और रुबेला जैसे रोगों का टीका त्वचा पर ही लगा दिया जाता है.

मांसपेशी और जगह को महत्व क्यों ?

लेकिन सवाल यह है कि मांसपेशी को इतना महत्व क्यों और वैक्सीन लगाने में उसके स्थान का क्या और कितना महत्व है. कंधे पास बांह की मांसपेशी, जिसे डिल्टॉइड कहते हैं, इतनी खास क्यों है. मांसपेशियां टीका लगाने के लिए सबसे अच्छा स्थान होती हैं क्योंकि उनके ऊतकों यानी टिशू में अहम प्रतिरोधक कोशिकाएं होती हैं.

एंटीजन की भूमिका

ये कोशिकाएं एंटीजन की पहचान करती हैं. एंटीजन वायरस या बैक्टीरिया का ऐसा हिस्सा होते हैं जो वैक्सीन के जरिए आते हैं जिससे प्रतिरोध की प्रतिक्रिया शुरू होती है. इसी के जरिए शरीर का प्रतिरोधी तंत्र वायरस आदि की पहचान करना सीख पाता है और उससे लड़ पाता है. प्रतिरोध कोशिकाएं इन एंटीजन को लसिका पर्व या लसिका ग्रंथि तक पहुंचाने का काम करती हैं.

क्यों फड़कती हैं आंखें? ये हैं वजह

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 20 अक्टूबर , पलक फड़कना आम तौर पर किसी गंभीर बात का संकेत नहीं है। लेकिन कुछ मामलों में, यह बेहद गंभीर और नुकसानदाक हो सकता है, जैसे जब आप काम से घर जा रहे हों या किसी मीटिंग में बैठे हों। छिटपुट ऐंठन आम है। वे आम तौर पर अपने आप ही रुक जाते हैं। लेकिन आंखें क्यों फड़कती हैं और इसे रोकने के लिए आप क्या कर सकते हैं? इन बातों का पता होना बेहद जरूरी है, ज्यादतर लोग इसे शुभ-अशुभ होने से जोड़ते है। लेकिन इसका वास्तविक कारण क्या है, इसके बारे में जानने के लिए एक्सपर्ट की सलाह लेंगे, तो चलिए जानते हैं, पलक किन कारणों की वजह से फड़कता है।

ब्लेफरोस्पाज्म - ब्लेफरोस्पाज्म की समस्या में दोनों आंखें बंद होती जाती हैं और आंखें फड़कती रहती हैं। इसमें एक पलक के अधिक झटके लगते हैं, जिसे मायोकिमिया के रूप में जाना जाता है। लेकिन कुछ मामलों में ऐंठन पुरानी और लगातार होती है। इस समस्या में अधिकांश लोगों को हर 3 से 4 महीने में इंजेक्शन लगवाने की जरूरत पड़ती है। यदि इंजेक्शन आपके लिए काम नहीं करते हैं, तो आपका डॉक्टर मायएक्टोमी नामक सर्जरी कराने की सलाह देते हैं।

हेमीफेशियल ऐंठन - हेमीफेशियल ऐंठन की समस्या में आपके चेहरे के एक तरफ की मांसपेशियों में जलन होती है। हेमीफेशियल ऐंठन एक तंत्रिका तंत्र की स्थिति है। जिसमें चेहरे के एक तरफ की मांसपेशियां हिल जाती हैं।यह एक न्यूरोमस्कुलर डिसऑर्डर है। इसे आंखों में होने वाले (न्यूरोमस्कुलर) मूवमेंट का कारण माना जाता है। चेहरे में चोट या ट्यूमर के कारण हेमीफेशियल ऐंठन की समस्या होती है।

पलक मायोकिमिया - मायोकिमिया स्वस्थ व्यक्तियों में शारीरिक रूप से चेहरे या अंग मायोकिमिया के रूप में हो सकता है। पलक का मायोकिमिया आम तौर पर एकतरफा होता है, जो मुख्य रूप से निचली पलक को प्रभावित करता है। यह अनायास ही चालू हो जाता है और कुछ सेकंड, मिनट, घंटे या सप्ताह तक भी बना रह सकता है।

मेइगे सिंड्रोम - मेइगे सिंड्रोम की समस्या में आंखों, निचले चेहरे और जबड़े को हिलाने वाली मांसपेशियों में जोरदार और दर्दनाक ऐंठन होती है। जिन लोगों को मीज सिंड्रोम होता है, उनकी जीभ और जबड़े के साथ-साथ पलकों में भी ऐंठन होती है। इसमें एक आंख से संबंधित ब्लेकरोस्पैजम और दूसरा मुंह, जीभ और जबड़े से जुड़ा ओरो मैडिब्यूलर इन डिसऑर्डस (disorder) में तेज दर्द करता है।

160 किमी. प्रति घंटे रफ्तार से दौड़ेगी रैपिडएक्स

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मेरठ। देश की पहली रीजनल ट्रेन रैपिडएक्स का 20 अक्तूबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उद्घाटन करेंगे। रैपिडएक्स की स्पीड 160 किमी. प्रति घंटा होगी। रिजनल ट्रांसिट सिस्टम (आरआरटीएस) एक हाई-स्पीड, हाई-फ्रीक्वेंसी परिवहन प्रणाली है जो 160 किमी प्रति घंटा की परिचालन गति से एनसीआर की जनता को क्षेत्र में निर्बाध रूप से यात्रा करने की सुविधा प्रदान करेगा। इसका 82 किमी लंबा प्रथम कॉरिडोर दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ के बीच निर्माणाधीन है।मुख्य जनसंपर्क अधिकारी पुनीत वत्स ने बताया कि इस कॉरिडोर का साहिबाबाद और दुहाई डिपो के बीच स्थित 17 किमी लंबा खंड, प्राथमिक चरण है, जिसे उदघाटन के बाद जनता के लिए शुरू कर दिया जाएगा। पांच स्टेशन हैं, साहिबाबाद, गाजियाबाद, गुलधर, दुहाई और दुहाई डिपो हैं। पूरी तरह वातानुकूलित रैपिडएक्स ट्रेनों में सुरक्षित और आरामदायक क्षेत्रीय आवागमन के लिए एर्गोनॉमिक रूप से डिजाइन की गई है। जिसमें सीटिंग, खड़े होकर यात्रा करने के लिए पर्याप्त स्थान, लगेज रैक, सीसीटीवी कैमरे, लैपटॉप, मोबाइल चार्जिंग सुविधा, डायनेमिक रूट मैप, जैसी कई यात्री-केंद्रित विशेषताएं होंगी।

सुबह 6 बजे से रात 11 बजे तक होगा परिचालन

रैपिडएक्स का परिचालन सुबह 6 बजे से रात 11 तक होगा। हर 15 मिनट में एक ट्रेन उपलब्ध होगी, हालांकि सिस्टम आवश्यकता के आधार पर आवृत्ति को और बढ़ाया जा सकता है। रैपिडएक्स ट्रेन में 6 डिब्बे हैं जिनमें लगभग 1700 यात्री एक साथ यात्रा कर सकते हैं। हर स्टैंडर्ड कोच में 72 सीटें और प्रीमियम कोच में 62 सीटें उपलब्ध हैं। ट्रेन में एक कोच महिलाओं के लिए आरक्षित है, यह प्रीमियम कोच के बाद दूसरा कोच होगा। ट्रेन के अन्य कोचों में भी महिलाओं के लिए सीटें आरक्षित हैं। साथ ही प्रत्येक कोच में विकलांग यात्रियों, वरिष्ठ नागरिकों के लिए भी सीटें आरक्षित हैं।मेरठ में विकास का लगेंगे पंखदुहाई से साहिबाबाद तक रैपिडएक्स के शुभारंभ के साथ मेरठ की भी उम्मीदों को पंख लग गए हैं। मेरठ से दिल्ली के लिए रैपिडएक्स का संचालन 2025 तक होगा। लेकिन दुहाई तक संचालन के बाद अब मेरठ और मोदीपुरम तक कार्य में तेजी आएगी। जिसका लक्ष्य जल्द रैपिडएक्स के संचालन पर होगा। मेरठ में विकास को पंख लगेंगे। जिसका असर मेरठ में दिखना शुरू हो गया है। दिल्ली में रहने वाले लोग मेरठ और आसपास घर बनाने के लिए जमीने तलाश रहे हैं। जबकि काफी लोगों ने जमीनें खरीद भी लीं हैं।

वित्त मंत्री डॉ. अग्रवाल के हाथों पुरस्कार पाकर खिले उपभोक्ताओं चेहरे

■ राज्य कर विभाग की बिल लाओ ईनाम पाओ
■ योजना के तहत निकाले लकी ड्रॉ

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 20 अक्तूबर। राज्य कर विभाग की बिल लाओ ईनाम पाओ योजना के तहत बृहस्पतिवार को अप्रैल और मई माह के लकी ड्रॉ निकाले गए। रिंग रोड स्थित राज्य कर मुख्यालय में उत्तराखंड वित्त मंत्री डॉ. प्रेम चंद अग्रवाल ने विजेताओं को स्मार्ट फोन, स्मार्ट वॉच तथा इयर पोड वितरित किए।

इस साल 1 अप्रैल से अब तक 15,603 उपभोक्ता पंजीकृत हुए हैं, 1,23,467 बिल अपलोड किए गए। कुल बिलों का मूल्य 41.28 करोड़ रुपए हैं। वित्त मंत्री डॉ. प्रेम चंद अग्रवाल ने बताया कि योजना के तहत 1 सितम्बर 2022 से अब तक 47,134 उपभोक्ता पंजीकृत हुए हैं, जिनके द्वारा 2,10,382 बिल अपलोड किए गए। जिनका कुल 82.60 करोड़ रुपए है। इस साल 1 अप्रैल से अब तक 15,603 उपभोक्ता पंजीकृत हुए हैं, जिनके द्वारा 1,23,467 बिल अपलोड किये गये हैं। जिनका मूल्य 41.28 करोड़ रुपए है। डॉ. अग्रवाल ने कहा कि यह आंकड़े दर्शाते हैं कि योजना को लेकर जनता में असीम उत्साह है। वित्त मंत्री डॉ अग्रवाल ने बताया कि राज्य सरकार ने पूर्व में 1 सितम्बर 2022 से 31 मार्च 2023 तक लागू बिल लाओ-ईनाम पाओ योजना को 30 नवम्बर विस्तारित किया है। 30 नवम्बर 2023 तक बीएलआईपीएप पर बिल अपलोड करने वाले ग्राहकों को मासिक पुरस्कारों के तहत 1500 पुरस्कार दिए जायेंगे। 1 सितम्बर 2022 से 30 नवम्बर 2023 तक अपलोड किये गए बिलों पर ग्राहकों को 30 नवम्बर के बाद मेगा पुरस्कार भी दिए जायेंगे 1

केंद्र सरकार ने भी योजना को सराहा

वित्त मंत्री डॉ. अग्रवाल ने योजना की लोकप्रियता के बारे में बताया कि 1 सितम्बर, 2023 से भारत सरकार ने अपनी एक महत्वपूर्ण पहल के अंतर्गत खरीद का बिल प्राप्त करने के सम्बन्ध में उपभोक्ताओं को जागरूक करने के लिए 'मेरा बिल मेरा अधिकार' नाम से एक 'इनवॉयस प्रोत्साहन योजना' शुरू की है। यह योजना आरंभ में एक पायलट प्रोजेक्ट के रूप में असम, गुजरात और हरियाणा और केंद्र शासित प्रदेशों पुडुचेरी, दादरा व नगर हवेली और दमन व दीव में शुरू की गयी है। इस योजना का शुभारंभ करते हुए केंद्र सरकार ने विशिष्ट रूप से उत्तराखंड राज्य में संचालित जीएसटी ग्राहक ईनाम योजना "बिल लाओ-ईनाम पाओ" का उल्लेख किया है। प्रत्येक खरीद पर बिल प्राप्त किये जाने के लिए उपभोक्ताओं को प्रोत्साहित किये जाने के उद्देश्य से इस नवाचारी योजना को संचालित करने के लिए उत्तराखंड राज्य सरकार की प्रशंसा की है। इस क्रम में केंद्र सरकार द्वारा अन्य राज्य सरकारों से उत्तराखंड राज्य में संचालित "बिल लाओ-ईनाम पाओ" जैसी अभिनव योजना को अपने-अपने राज्यों में क्रियान्वित किये जाने का भी आह्वान किया गया है। राज्य कर आयुक्त अहमद इकबाल ने योजना में प्रतिभाग करने वाले उपभोक्ताओं का हौसला बढ़ाया। उन्होंने कहा योजना का लाभ लेने वाले लोगों ने स्कीम को कामयाब बनाया।

विभाग ने हेल्पलाइन नंबर किए जारी

विभाग द्वारा हेल्पलाइन नंबर जारी किए हैं। जिसमें 1800-120-122-277, 7618111270 तथा 7618111271 जारी किया गया है। जिस पर पुरस्कार से सम्बन्ध में किसी भी समस्या के लिए संपर्क किए जा सकता है।

ये लोग रहे मौजूदः पुरस्कार वितरण समारोह में राज्य कर आयुक्त डॉ. अहमद इकबाल, अपर आयुक्त राज्य कर बृजवाल, अपर आयुक्त अनिल सिंह, अपर आयुक्त अमित गुप्ता, संयुक्त आयुक्त डॉ. सुनीता पाण्डेय, संयुक्त आयुक्त प्रवीण गुप्ता, संयुक्त आयुक्त अनुराग मिश्रा व एसएस तिरुवा सहित अन्य विभागीय अधिकारी तथा कर्मचारी मौजूद रहे। समारोह का मंच संचालन आरजे काव्या ने किया ।

दौड, कबड्डी व लंबीकूद में जिले में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली छात्रों को सम्मानित किया

विकासनगर। बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने और बालिकाओं में छिपी प्रतिभा को निखारने के मकसद से पछुवादून विकास मंच ने गुरुवार को राजकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय धर्मावाला में आयोजित कार्यक्रम में विद्यालय की प्रतिभावान बालिका को गोल्ड मेडल एवं उपहार देकर सम्मानित किया। पूर्व माध्यमिक विद्यालय धर्मावाला की छात्रा आमना ने जिलास्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में कबड्डी, सौ मीटर दौड़ और लंबी कूद में प्रथम स्थान प्राप्त किया। जिसे पछुवादून विकास मंच की ओर से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मंच के संयोजक अतुल शर्मा ने कहा कि ग्रामीण बालिकाओं में अनेकों प्रतिभाएं छिपी हैं। उन्हें उचित मंच देने की आवश्यकता है। हम सबका दायित्व है की ऐसी बालिकाओं को आगे बढ़ाने के लिए हर संभव प्रयास करें। उन्होंने विद्यालय के शिक्षकों को धन्यवाद देते हुए कहा कि आपके कुशल मार्ग निर्देशन में इस छात्रा ने जिला स्तरीय जैसी बड़ी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। यह क्षेत्र के लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की अन्य प्रतिभा प्रतिभावान बालिकाओं को मंच लगातार सम्मानित करता रहेगा। विद्यालय के प्रधानाचार्य अनंत कुमार सोलंकी ने कहा कि मंच द्वारा बालिका का एवं शिक्षकों का उत्साहवर्धन करना सराहनीय है। उन्होंने मंच के कार्यों की सराहना करते हुए कहा की मंच सदैव सामाजिक कार्यों में संलग्न रहता है। सोलंकी ने बालिका को दिए उपहार के लिए मंच का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस मौके पर विद्यालय के शिक्षक अनवर उल हक, बलेश कौशिक, सरिता देवी, शकुंतला जोशी, मंच के सदस्य संजीव कुमार, आमोद शर्मा, अमन बिजल्वाण आदि मौजूद रहे।

आभा आईडी आयुष्मान कार्ड बनवाने के लिए समुदाय को जागरूक करें आशाएं

विकासनगर। आभा आईडी और आयुष्मान कार्ड को बनाने के लिए लोगों को जागरूक करने के लिए आशा कार्यकर्ताओं को आगे बढक़र काम करना होगा, जिससे अधिक से अधिक लोग आयुष्मान कार्ड बनाकर सरकार की योजना का लाभ ले सकें। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चकराता के ब्लॉक समन्वयक महावीर सिंह राणा ने क्वानू क्षेत्र की आशाओं की बैठक ली। बैठक में आयुष्मान कार्ड एवं आभा आईडी की रफ्तार जारी रखना एवं लोगों को जागरूक करने के लिए बताया गया। महावीर राणा ने बताया कि आयुष्मान कार्ड योजना सरकार की एक अच्छी पहल है। जिसके तहत ?पांच लाख तक का इलाज सभी सरकारी हॉस्पिटल एवं प्राइवेट के पैनल हॉस्पिटलों में फ्री ऑफ कॉस्ट कराया जाता है।

उत्तराखंड में शुरू होने जा रही है होमगार्ड भर्ती

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 20 अक्टूबर : उत्तराखंड में इन दिनों महिला होमगार्ड की भर्ती चल रही है। भर्ती के माध्यम से प्रदेश की सैकड़ों बेटियों को होमगार्ड बनने का मौका मिला है। इसी कड़ी में अब महिला और पुरुष होमगार्ड के 381 पदों को भरने का प्रोसेस भी शुरू कर दिया गया है। होमगार्ड विभाग ने 381 पदों पर भर्ती की अनुमति मांगी है। कमांडेंट जनरल होमगार्ड की ओर से गृह विभाग को इसके लिए पत्र लिखा गया है। प्रदेश में कुल 5618 पुरुष और 548 महिला होमगार्ड के पद स्वीकृत हैं। इनमें से 5157 पुरुष और 216 महिला होमगार्ड तैनात हैं। कुछ समय पहले महिला होमगार्ड की भर्ती प्रक्रिया शुरू की गई थी।

फरवरी में इसके आदेश जारी किए गए थे। वर्तमान में 320 महिला होमगार्ड की भर्ती चल रही है। अब कुल मिलाकर पुरुष होमगार्ड के 461 और महिला होमगार्ड के 13 पद रिक्त हैं। इनमें से पुरुष होमगार्ड के 82 पद मृतक आश्रितों के लिए आरक्षित हैं। जबकि, महिला होमगार्ड के 11 पदों पर मृतक आश्रित कोटे से भर्ती होनी है। इस हिसाब से अब महिला होमगार्ड के कुल दो पदों पर भर्ती की जानी है। जबकि पुरुष होमगार्ड के 379 रिक्त पदों पर भर्ती के लिए अनुमति शासन से मांगी गई है। बता दें कि प्रदेश में होमगार्ड का मुख्य कार्य पुलिस के सहायक के रूप में कार्य करना है। इसके तहत उन्हें सार्वजनिक व्यवस्था, आंतरिक सुरक्षा बनाने, आपातकाल के समय व आवश्यक सेवाओं की व्यवस्था में सहयोग करना होता है। विभिन्न मेलों, त्योहारों, यातायात, शांति व्यवस्था, यात्रा सीजन, बोर्ड परीक्षाओं व चुनाव के दौरान भी यह अपना योगदान देते हैं। राज्य में होमगार्ड सचिवालय समेत कई विभागों में अपनी सेवा दे रहे हैं।

हिंदी दैनिक
न्यूज़ वायरस

ज्योति प्रसाद गैरोला ने ली पहली बैठक, दिए आवश्यक निर्देश

बीस सूत्रीय कार्यक्रम क्रियान्वयन समिति के उपाध्यक्ष ज्योति प्रसाद गैरोला ने की अध्यक्षता

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 20 अक्तूबर। बीस सूत्रीय कार्यक्रम क्रियान्वयन समिति के उपाध्यक्ष ज्योति प्रसाद गैरोला ने बृहस्पतिवार को अधिकारियों के साथ पहली बैठक की। जिसमें अधिकारियों को आवश्यक निर्देश देते हुए सरकारी योजनाओं का लाभ पात्रों को तक पहुंचाने के लिए गंभीरता दिखाने का कहा।

नेशविला रोड स्थित अर्थ एवं संख्या निदेशालय के कार्यालय में बीस सूत्रीय कार्यक्रम क्रियान्वयन समिति के उपाध्यक्ष ज्योति प्रसाद गैरोला अध्यक्षता में प्रदेश के सभी विभागीय एवं जनपदीय अधिकारियों की परिचय व समीक्षा बैठक हुई। अर्थ एवं संख्या निदेशालय के निदेशक सुनील कुमार ने ज्योति प्रसाद गैरोला का स्वागत किया। जिसमें जेसी चंदोला ने बताया कि तीन वर्षों में रैंकिंग के अनुसार टिहरी जिला प्रथम, उधम सिंह नगर द्वितीय, देहरादून जिला तृतीय स्थान पर रहा। बीस सूत्रीय कार्यक्रम के अंतर्गत माध्यमिक व प्राथमिक शासकीय विद्यालयों में किया जा रहे स्थलीय सत्यापन की प्रगति का प्रस्तुतीकरण किया गया। मूल्यांकन के आधार पर विद्यालयों में सर्वेक्षण कार्य किया जा चुका है।

केंद्र व राज्य सरकारों की योजनाएं जन-जन तक पहुंचे

ज्योति प्रसाद गैरोला ने कहा कि प्रधानमंत्री की भारत-सरकार व राज्य सरकार से प्रायोजित जनहित के लाभकारी योजनाएं जन-जन तक पहुंचे। चयन क्रियान्वयन तथा संचालन के संबंध में विकासखंड व जिला स्तर में सभी ग्राम पंचायत में जागरूकता अभियान समय-समय पर चलाए जाएं। जिलों द्वारा सत्यापन के अनुसार विद्यालयों के असंरचनात्मक सुविधा के साथ-साथ बालिकाओं के लिए पृथक शौचालय निर्माण तथा शौचालय में साफ सफाई की सही व्यवस्था होनी चाहिए। साथ ही अभिभावक अध्यापक समिति के माध्यम से विद्यालय में साफ सफाई की सुव्यवस्था पर गंभीरता से विचार होना चाहिए। बैठक में सुशील कुमार निदेशक एवं विभागाध्यक्ष 20 सूत्रीय कार्यक्रम संयुक्त निदेशक चित्रा टीएस, अन्ना डीसी बडोनी, जेसी चंदोला उपनिदेशक अर्थ एवं सांख्यिकी अधिकारी एवं मंडलीय संयुक्त निदेशक सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

किन लोगों में बढ़ जाता है मल्टीपल स्क्लेरोसिस होने का खतरा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 20 अक्टूबर : मल्टीपल स्क्लेरोसिस, ब्रेन और स्पाइनल कॉर्ड से जुड़ी एक बीमारी है, जिसमें माइलिन शीथ जो तंत्रिकाओं की रक्षा और उन्हें अलग करती है, क्षतिग्रस्त हो जाती है। मस्तिष्क से विद्युत आवेगों को ले जाने वाले तंत्रिका तंतु भी क्षतिग्रस्त हो जाते हैं। इस न्यूरोलॉजिकल डिसफंक्शन रोग की शुरुआती में चीजें मैनेज हो जाती हैं, लेकिन समय के साथ, नुकसान और भी बदतर हो सकता है , 2023 तक लगभग 2.9 मिलियन लोग इस स्थिति से पीड़ित हैं। विश्व मल्टीपल स्क्लेरोसिस दिवस एक वार्षिक, ग्लोबल इवेंट है, जो इस स्थिति के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए 30 मई को मनाया जाता है। तो आइए जानें कि किन लोगों में इस बीमारी का खतरा ज्यादा होता है।

परिवार में इस रोग का इतिहास होने के साथ कुछ बाहरी कारणों से भी प्रभावित हो सकती है। आमतौर पर रोगी के परिवार में इस स्थिति का इतिहास देखा जाता है। पुरुषों की तुलना में महिलाओं में इस बीमारी को ज्यादा देखा जाता है। अन्य कारक जो स्थिति का कारण बन सकते हैं, उनमें एपस्टीन-बार वायरस (Epstein-Barr virus (EBV)) से होने वाला वायरल संक्रमण, सन लाइट कम मिला, विटामिन-डी की कमी और स्मोकिंग शामिल हैं।

मल्टीपल स्क्लेरोसिस आमतौर पर 20 से 40 की उम्र के लोगों को होता है, जिसमें लक्षण किशोरावस्था के आसपास दिखाई देने लगते हैं। इसके आम लक्षणों में:थकावट ,सुन्न होना और झुनझुनी आना , मांसपेशियों की ऐंठन ,अकड़न ,दर्द ,हिलने और संतुलन बनाए रखने में दिक्कत आना संज्ञानात्मक समस्याएं ,बोलने में दिक्कत आना ,ब्लैडर और आंतों से जुड़ी दिक्कतें ,यौन समस्याएं ,धुंधला दिखना ,निगलने में कठिनाई, एंग्जाइटी और डिप्रेशन मल्टीपल स्क्लेरोसिस से पूरी तरह बचाव मुमकिन नहीं है, हालांकि, खाने या फिर सप्लीमेंट की मदद से विटामिन-डी की कमी को पूरा करना, स्मोकिंग से बचना और नींद पूरी लेने से एमएस का जोखिम कम हो सकता है। मल्टीपल स्क्लेरोसिस के लिए इस वक्त जो उपचार उपलब्ध हैं, इसमें स्टेरॉयड, न्यूरोलॉजिकल लक्षणों के लिए थेरेपी, फिजियोथेरेपी के अलावा बोलने और भाषा की थेरेपी शामिल हो सकती है।

रामनगर : वनकर्मी को बाघ ने बनाया निवाला

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रामनगर 20 अक्टूबर : उत्तराखंड का जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क बाघों की शरण स्थली के रूप में मशहूर है। पर्यटक बाघों को करीब से देखने के लिए यहां दूर-दूर से पहुंचते हैं, लेकिन इन बाघों की सुरक्षा के लिए जो वनकर्मी तैनात किए जाते हैं, उनकी जान हमेशा दांव पर लगी रहती है। यहां कालागढ़ टाइगर रिजर्व के रेंज पटेरपानी क्षेत्र में एक बार फिर दुखद घटना सामने आई है। क्षेत्र में गश्त कर रहे वनकर्मी पर बाघ ने हमला कर दिया। घायल वनकर्मी को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, लेकिन अफसोस कि उसकी जान बच नहीं सकी। जान गंवाने वाले वनकर्मी की पहचान पवन कुमार पुत्र धर्म सिंह के रूप में हुई। कालागढ़ निवासी पवन कुमार सिर्फ 32 साल का था। बताया जा रहा है कि

दोपहर के वक्त पवन कुमार पटेरपानी क्षेत्र स्थित तिराहे पर गश्त कर रहा था, तभी बाघ ने पवन पर हमला कर दिया। अन्य वनकर्मियों द्वारा शोर मचाने पर दूसरे लोग और वनकर्मी तुरंत मौके पर पहुंचे। वनकर्मियों ने हवाई फायर कर बाघ को भगाया, हालांकि तब तक पवन गंभीर रूप से घायल हो चुका था। बाघ पवन कुमार को झाड़ी में खींच कर ले गया। हवाई फायर करने के बाद बाघ वहां से जंगल की ओर भाग गया। इसके बाद पवन को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन गंभीर घाव होने के कारण पवन की जान बच नहीं सकी। जवान बेटे की मौत के बाद पवन के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। क्षेत्र के निवासी भी डरे हुए हैं।

संक्षिप्त खबरें

कैलाश खेर गीत से जगाएंगे पर्यावरण संरक्षण की अलख

ऋषिकेश। प्रख्यात गायक कैलाश खेर का जल्द ही पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रोत्साहित करने वाला गीत लोगों के बीच होगा। वह 'अब निश्चय करना होगा, जल संचय करना होगा गीत में जल संरक्षण का संदेश देते नजर आएंगे। मौजूदा हालातों का जिक्र भी भावुकता के साथ उनके गीत में होगा। गुरुवार को परमार्थ निकेतन आश्रम में कैलाश खेर ने पत्रकारों से बात की। उन्होंने कहा कि प्रेम की कोई हद और सरहद नहीं होती। कहा कि सच्चे प्रेम का अहसास और पता भी संतों से चलता है। उनकी छत्रछाया में सब कुछ सम्भव है। बताया कि वह भी संतों की सानिध्य में ही भारतीय संस्कृति, अध्यात्म और संगीत की विधाओं से देश-दुनिया में प्रेम का संचार कर रहे हैं। बोले, भारत की परम्परा, नदियों और वृक्षों की पूजा करना है। पर्यावरण संरक्षण यहां के हर किसी के रग-रग में है, लेकिन आधुनिकता के इस दौर में उन्हें इसका सिर्फ अहसास कराने की जरूरत है। स्वामी चिदानंद मुनि ने कहा कि कैलाश खेर जहां भी जाते हैं, वहां गाते भी हैं, झूमते भी है और लोगों को झूमाते भी हैं। उनके आने से पूरा वातावरण आनंद और उल्लास से भर जाता है। कहा कि लोग डीजे की धुन पर थिरकते हैं, मगर डीजे की धुन पर थिरकने वाली पीढ़ी को डिवाइन पीढ़ी बना देना यही पद्मश्री कैलाश खेर का लक्ष्य है। इससे पूर्व कैलाश खेर ने गंगा के दर्शन के साथ पूजा-अर्चना की। उन्होंने देश-दुनिया और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना भी की।

साइकिल यात्रा से लौटे दल का किया स्वागत

ऋषिकेश। ब्लू राइडर साइकिल क्लब ऋषिकेश के सदस्य गुरदेव कुकरेती और उनके साथी ऋषिकेश से गंगा सागर तक साइकिल यात्रा पूरी कर ऋषिकेश लौटे। लगभग 1850 किलोमीटर की दूरी तय करते हुए उन्होंने पर्यावरण बचाओ का संदेश भी दिया। गुरुवार को क्लब के सदस्यों ने उनका भव्य स्वागत किया। साइकिलिस्ट गुरूदेव कुकरेती ने बताया कि गंगा सागर यात्रा में 205-कोबरा बटालियन सीआरपीएफ सीओ कैलाश और सीआरपीएफ कमांडो नितिन ने जगह-जगह पर उनकी रहने खाने की व्यवस्था की। ब्लू राइडर क्लब के अध्यक्ष ज्योति प्रकाश शर्मा ने बताया कि गुरुदेव कुकरेती, कुलदीप असवाल और जन्मेजय तोमर साइकिल यात्रा पूरी कर लौटे हैं। स्वागत करने वालों में संजय गुप्ता, शैलेन्द्र बिष्ट, संजीव चौहान, अब्दुल रहमान, बलबीर जैसल, सुनील प्रभाकर, संजय शर्मा, यशपाल चौहान, सरदार बूटा सिंह, पंकज ब्रेजा, अजय प्रजापति, प्रकाश डोभाल, चंद्रर नेगी, अशोक नेगी, नटवर श्याम, कमलेश डंगवाल, संजीव गुप्ता, विकास अत्रि, योगेश पाल, अतुल सरीन, बब्बू डिमरी, मनोज डोबरियाल, अमन, अमित उप्पल, संजय सिंह आशु व्यास, मुकेश कृसाली, नरेन्द्र कैंतुरा आदि शामिल रहे।

कैंप कार्यालय में डीएम वंदना ने की जनसुनवाई

हल्द्वानी। नैनीताल के वीरभट्टी के पास संचालित हो रहे मदरसे में अनियमितताएं पाए जाने के बाद प्रशासन इस तरह के अन्य संस्थानों पर भी सख्ती की तैयारी कर रहा है। जिलाधिकारी वंदना का कहना है कि राज्य सरकार से मदरसों की जांच के आदेश मिले हैं। जिले के अंदर जितने भी मदरसे चल रहे हैं उनकी भी जांच की जाएगी। पंजीकरण न होने और अनियमितताएं पाए जाने पर आवश्यक कार्रवाई होगी। देखा जाएगा कि वहां बच्चों के स्वास्थ्य और शिक्षा के साथ कोई समझौता न हो। डीएम वंदना ने गुरुवार को कैंप कार्यालय में जनता से जुड़ी समस्याएं सुनीं। लोगों ने पेयजल, सडक़, बिजली, पेंशन, अतिक्रमण, आवास, आर्थिक सहायता से संबंधित 72 शिकायतें और समस्याएं दर्ज कराई। डीएम ने कहा कि जिले में जिन पर्यटन स्थलों में पार्किंग की समस्या है वहां पार्किंग बनाने के लिए प्रशासन की ओर से डीपीआर बनाकर भूमि के चयन के प्रस्ताव शासन को भेजे थे। अधिकांश जगहों पर पार्किंग के लिए भूमि स्वीकृत हो गई है। नैनीताल शहर में पार्किंग निर्माण कार्य जारी है। जनसुनवाई के दौरान पनियाली निवासी लछम सिंह ने सडक़ निर्माण कराने, अशोक विहार कॉलोनी तीनपानी के लोगों ने कॉलोनी में नामावली बोर्ड लगाने, छड़ायल निवासी मनोज कुमार ने रजिस्ट्री व दाखिल खारिज भूमि पर निर्माण रोके जाने व नरेन्द्र पाल सिंह रावत ने रास्ते से अतिक्रमण हटाने की मांग की।

तेलपुरा में 55 फीट के रावण का पुतला जलेगा

विकासनगर। दशहरा पर्व नजदीक आने के साथ ही पछुवादून में दहन के लिए रावण, कुंभकरण, मेघनाद के पुतले तैयार किए जाने लगे हैं। इस बार तेलपुरा-अटकफार्म में 55 फीट के रावण के पुतले का दहन किया जाएगा। इन दिनों तैयार किए जा रहे पुतले को देखने के लिए लोग हर दिन रामलीला मैदान में पहुंच रहे हैं। दशहरा कमेटी तेलपुरा-अटकफार्म के अध्यक्ष सुखदेव फर्सवाण ने बताया कि बीते एक दशक से रावण दहन किया जा रहा है।

पॉजिटिव खबरें दिल दिमाग को स्वस्थ बनाती हैं, रिसर्च

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 20 अक्टूबर : सूचनाओं के इस दौर में निगेटिव खबरें लगातार आ रही हैं। निगेटिव सूचना क्रांति से थकान और तनाव बढ़ रहा है। वॉशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, पॉजिटिव खबरें खुशी और भावनात्मक लचीलापन बढ़ाती हैं। अलग-अलग विश्वविद्यालयों की रिसर्च के मुताबिक, लोग अच्छी खबरों पर बात करना और इन्हें साझा करना पसंद करते हैं। द हैप्पीअर किताब के लेखक और द हैप्पीनेस स्टडीज एकेडमी के फाउंडर डॉ. कहते हैं कि सकारात्मक खबरें पढ़कर लगता है कि दुनिया अच्छी जगह है। निगेटिव माहौल का सामना करने में मदद मिलती है। शॉर्ट टर्म में मूड अच्छा होता है और लॉन्ग टर्म में सुखद नजरिया मिलता है। हार्वर्ड से लेकर ब्रिघम यंग यूनिवर्सिटी तक की रिसर्च में सामने आया पॉजिटिव खबरें बढ़ाती है संतुष्टि तनाव और चिंता को कम करती हैं

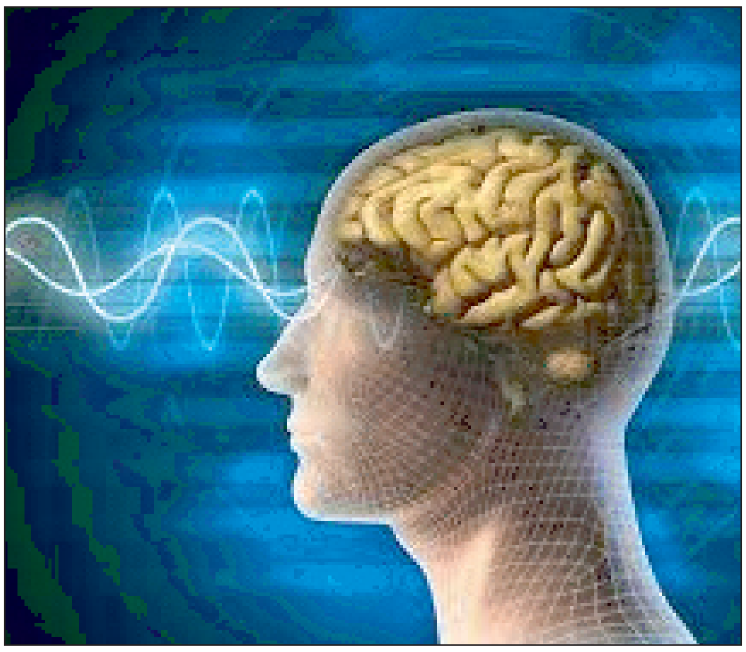

साउथम्प्टन यूनिवर्सिटी की 2016 में की गई एक रिसर्च के मुताबिक, पॉजिटिव खबरें और अच्छी जानकारियां हमारी मानसिकता में बदलाव लाती हैं। जब हम पॉजिटिव खबरें पढ़ते हैं तो शरीर में तनाव हार्मोन का स्तर कम हो जाता है। वाशिंगटन की गोंज़ागा यूनिवर्सिटी की एक रिसर्च के मुताबिक, सकारात्मक खबरें साझा करने और पढ़ने से क्वालिटी ऑफ लाइफ भी सुधरती है। खासतौर पर जब आप परेशानी में हो या किसी आपदा के दौर से गुजर रहे हों तब सकारात्मक खबरें आपको जीने की नई उम्मीद देती हैं हार्ट को स्वस्थ बनाती हैं।

हार्वर्ड यूनिवर्सिटी की 2018 की एक रिसर्च के मुताबिक, लगातार पॉजिटिव खबरें पढ़ने से हार्ट स्वस्थ बनता है। ब्लड प्रेशर संतुलित रहता है।

इंसोमनिया यानी अनिद्रा की समस्या और मांसपेशियों के तनाव में भी यह फायदेमंद है। सकारात्मक खबरें तनाव भी कम करती हैं। ब्रिघम यंग यूनिवर्सिटी के रिसर्चर नथानिएल लैम्बर्ट ने 2012 में शोध में पाया कि जो लोग पॉजिटिव खबरें, स्टोरी और आर्टिकल शेयर करते हैं वे ज्यादा खुश रहते हैं। उनका नजरिया लगातार विकसित होता जाता है। सकारात्मक खबरें और अनुभव साझा करने से संतुष्टि चरम पर पहुंचने लगती है।

नॉलेज के लिए प्रेरित करती हैं एंगेज्ड न्यूज प्रोजेक्ट नाम से 2014 में किए गए एक शोध के मुताबिक, जब लोग समाचार पत्र के पेज पर एक पॉजिटिव खबर पढ़ते हैं तो उनके लंबे समय तक उसी पेज बने रहने की संभावना बढ़ती है। यानी पॉजिटिविटी पढ़ने वाले को सुकून देती है, उसे आकर्षित करती है।

कैकई ने रचा कुचक्र और राम को हुआ वनवास, दर्शकों की भर आई आँखें

अल्मोड़ा। श्री भुवनेश्वर महादेव मंदिर एवं रामलीला समिति कर्नाटक खोला अल्मोड़ा में रामलीला महोत्सव 2023 के अन्तर्गत रामलीला का मंचन निरन्तर जारी है। चतुर्थ दिवस की रामलीला में कैकेई-मंथरा संवाद, दशरथ-कैकेई संवाद आकर्षण का केन्द्र रहे। संवादों ने दर्शकों का मन मोह लिया तथा दर्शकों ने तालियों के माध्यम से कलाकारों की हौसला अफ़जाई की। रामलीला मंचन में कलाकारों के इन संवादों को दर्शकों ने आन-लाईन भी अपने घरों में बैठ कर देखा तथा दर्शकों द्वारा कैकई-मंथरा तथा दशरथ-कैकई संवादों की काफी सराहना की गयी। चतुर्थ दिवस की रामलीला का शुभारम्भ मुख्य अतिथि दीपक पोखरिया ने दीप प्रज्जवलित कर किया। उन्होंने रामलीला समिति की हार्दिक प्रशंसा करते हुये कहा कि उनके द्वारा ऐसे सांस्कृतिक और ऐसिहासिक कार्यक्रम निरन्तर आयोजित किये जाते रहे हैं जो वर्तमान परिवेश में अपनी लोक कला संस्कृति के उत्थान, संरक्षण एवं नई पीढ़ी को इससे जोडने हेतु अत्यन्त आवश्यक पहल है जिसके लिये रामलीला मंच से यह मुहिम जारी रखी जानी चाहिए। उन्होंने समिति के संस्थापक व संयोजक पूर्व मंत्री बिट्टू कर्नाटक को बधाई प्रेषित करते हुये कहा कि उन्हें पूर्ण विश्वास है कि श्री कर्नाटक समाज में उत्तराखंड की विरासत, संस्कृति को आगे बढ़ाने हेतु जागरूकता लाने व महिलाओं को मंच के माध्यम से आगे बढ़ाने के लिये प्रयासरत रहेंगे।

संपादकीय

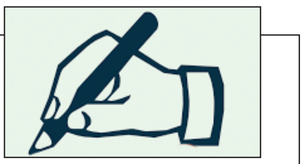

पांच सौ का हत्यारा कौन?

गाजा पट्टी में एक महाविस्फोट हुआ और 'अल अहली अरब' अस्पताल में 500 लाशें बिछ गईं। यकीनन यह नरसंहार है और युद्ध के नियमों और नैतिकताओं के विपरीत है। अस्पताल में लोग उपचाराधीन थे अथवा इजरायल की बमबारी से बचने के लिए छिपे थे। उनकी हत्या कर दी गई। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में पहले हमास और फिलिस्तीन के पक्ष में रूस और चीन ने 'वीटो' का इस्तेमाल किया। फिर इजरायल के 'आत्मरक्षा के अधिकार' को लेकर अमरीका ने 'वीटो' का प्रयोग किया। दोनों प्रस्ताव ही ढह गए और सुरक्षा परिषद में कोई निर्णय नहीं लिया जा सका। अस्पताल पर मिसाइल हमला किया गया अथवा कोई रॉकेट मिसफायर हो गया। उसका हत्यारा हमास था अथवा इजरायल की सेना ने वह नरसंहारी प्रहार किया? इस सवाल पर विरोधाभासी आरोप हैं। अरब और इस्लामी देश इजरायल को 'नरसंहारी' मान रहे हैं, जबकि इजरायल की दलील है कि यह महाविस्फोट हमास के आतंकियों ने किया था, क्योंकि इसके रॉकेट, मिसाइल मिसफायर करने का इतिहास रहा है। बीती मई, 2023 में ही हमास ने 1469 रॉकेट दागे थे, जिनमें से 291 रॉकेट बीच रास्ते में ही फट गए। कुछ रॉकेट समंदर में गिर गए। इजरायल अस्पताल वाले महाविस्फोट के मद्देनजर कुछ सबूत सुरक्षा परिषद के सामने पेश करना चाहता है। मुस्लिम देशों को ईरान भडका रहा है और इजरायल के खिलाफ सडकों पर लामबंद होने की धमकियां दे रहा है। अमरीका ने ईरान को ऐसे रवैये के लिए आगाह किया है। अमरीकी राष्ट्रपति जो बाइडेन कुछ घंटों के लिए इजरायल गए थे। कुछ लोगों पर प्रतिबंध लगाए, इजरायल को खुला समर्थन दिया, हमास को आईएसआईएस से भी घातक और बदतर करार दिया और वॉशिंगटन लौट गए। बाइडेन और नेतन्याहू में क्या गुप्त बातचीत हुई है, उसकी कोई ब्रीफिंग नहीं की गई। अलबत्ता बाइडेन जॉर्डन जाकर अरब देशों के नेताओं संग शिखर वार्ता नहीं कर सके, इसे कितना गंभीर माना जा सकता है? बहरहाल इजरायल ने गाजा के अलावा, लेबनान और सीरिया में भी हवाई हमले किए हैं। इजरायल पर अब भी रॉकेट, मिसाइल दागे जा रहे हैं। ये विभीषिकाएं कहां जाकर थमेंगी? गाजा से लाखों लोग विस्थापित हो चुके हैं, लेकिन लाखों अब भी गाजा में ही हैं। वे 'नारकीय चक्रव्यूह' में फंसे हैं। हमास उन्हें 'मानव ढाल' की तरह इस्तेमाल कर रहा है, लेकिन मार भी रहा है। कुछ पानी, बिजली, ईंधन, दवा आदि की सप्लाई गाजा वालों के लिए इजरायल ने शुरू की है, लेकिन इजरायल की बमबारी बदस्तूर जारी है। मौत के बाद लोगों को एक 'सामूहिक कब्रगाह' में दफनाया जा रहा है। यदि संयुक्त राष्ट्र के पास विशेषाधिकार हैं, तो वह दखल देकर इन हत्याओं और युद्ध को रुकवा क्यों नहीं सकता? हमें तो संयुक्त राष्ट्र 'सफेद हाथी' लगता है, क्योंकि विश्व के अलग-अलग चार हिस्सों में युद्ध लड़े जा रहे हैं। गाजा में किए गए महाविस्फोट के हत्यारे को कौन तय करेगा, क्योंकि दोनों पक्षों के अपने-अपने दावे हैं।

दैनिक न्यूज़ वायरस

संपादक : मौ.सलीम सैफी, **कार्यकारी संपादक :** आशीष कुमार तिवारी न्यूज वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002, **RNI No. :** UT-THIN/2012/44094

Cert. Ser. No. : 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com

Website : www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus

न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

विवेकानन्द पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, अल्मोड़ा 47वें कृषि विज्ञान मेले का आयोजन

अल्मोड़ा। भाकृअनुप-विवेकानन्द पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, अल्मोड़ा के प्रयोगात्मक प्रक्षेत्र हवालबाग में गुरवार को श्री अन्न अपनाएं पोषण सुरक्षा बढ़ायें' थीम पर आधारित 47वें कृषि विज्ञान मेले का आयोजन किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि लोकसभा सांसद अजय टम्टा रहे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने संस्थान द्वारा पर्वतीय कृषि पर किये जा रहे शोध कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि संस्थान अपने शोध कार्यों हेतु बधाई का पात्र है चूँकि इसके कार्यों को स्वयं कृषकों ने प्रमाणित किया है। गोविन्द बल्लभ पन्त कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय पन्तनगर के निदेशक, प्रसार शिक्षा निदेशालय डॉ. जय प्रकाश जायसवाल ने संस्थान की प्रजाति एवं लघु यंत्रों के विकास के क्षेत्र में किये जा रहे उत्कृष्ट कार्यों हेतु सराहना करते हुए लघु यंत्रों द्वारा समय व श्रम की बचत के महत्व को बताया। डी.ए.आर.एल. के पूर्व निदेशक एम.सी. जोशी ने कहा कि विवेकानन्द संस्थान की ख्याति हिन्दुस्तान के अलावा विदेशों में भी जानी जाती है उन्होंने कृषकों से कहा कि वे दृढ़ संकल्प एवं कार्य से आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में अपना सफल योगदान दे सकते हैं क्योंकि पर्वतीय क्षेत्रों में घाटी से लेकर ऊँचाई तक फसल उत्पादन की अपार संभावनाएं हैं। कार्यक्रम प्रमुख आकाशवाणी अल्मोड़ा रमेश चन्द्रा ने कृषि क्षेत्र में संस्थान के योगदान की प्रशंसा की तथा देश द्वारा खाद्यान्न निर्यात के क्षेत्र में बढ़ोत्तरी की जानकारी दी। मुख्य अतिथि, अध्यक्ष एवं विशिष्ट अतिथि द्वारा संस्थान की प्रजातियों नामत गेहूँ की वी.एल. कुकीज़, सब्जी मटर की वी.एल. उपहार तथा मसूर की वी.एल. मसूर 150 का लोकार्पण किया गया। इसके साथ ही संस्थान के प्रकाशनों नामतः वार्षिक प्रतिवेदन 2022 तथा संस्थान समाचार पत्रिका का विमोचन किया गया एवं सी.आई.ए.ई. वी.एल. मल्टीक्रॉप थ्रेशर का भी लोकार्पण किया गया।

इस अवसर पर वी.एल. पॉलीटनल के निर्माण हेतु संस्थान तथा परासर एग्रोटेक बायो प्राईवेट लिमिटेड, वाराणसी के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये गये। मेले के दौरान प्रगतिशील किसान मदन मोहन गिरी, मोहन सिंह बिष्ट, दीपक कुमार, महिपाल टम्टा, लीला देवी, पूरन आर्य एवं प्रह्लाद कोश्यारी को पुरस्कृत किया गया। इससे पहले संस्थान के निदेशक डॉ. लक्ष्मी कान्त द्वारा मुख्य अतिथि, अध्यक्ष, विशिष्ट अतिथियों, आगन्तुकों व कृषकों का स्वागत करते हुए संस्थान की स्थापना तथा पर्वतीय कृषि के क्षेत्र में संस्थान द्वारा किए गए शोध कार्यों तथा विकसित तकनीकों का विवरण दिया गया।

संक्षिप्त खबरें

द्वारिका आजीविका स्वायत्त सहकारिता की आम सभा बैठक आयोजित

अल्मोड़ा। अल्मोड़ा जनपद के द्वाराहाट ब्लॉक के अंतर्गत ग्रामीण उद्यम वेग वृद्धि परियोजना द्वारा संचालित द्वारिका आजीविका स्वायत्त सहकारिता, द्वाराहाट की वार्षिक आम सभा बैठक का आयोजन किया गया। गुरुवार को आयोजित वार्षिक आम सभा बैठक में सहकारिता द्वारा विगत वर्ष 2021-22 व 2022-23 में किए गए कार्यों का संक्षिप्त विवरण सहकारिता समन्वयक मनमोहन सिंह नेगी द्वारा प्रस्तुत किया गया। सहकारिता समन्वयक मनमोहन सिंह द्वारा परियोजना की योजनाओं व कार्यों के विषय में उपस्थित शेयरधारकों को अवगत कराया गया। साथ ही समूह स्तर पर उद्यम स्थापित करने हेतु प्रेरित किया गया। जिससे समूह सदस्यों की आजीविका बढ़े और ग्रामीण स्तर पर रोजगार प्राप्त हो सके। सहकारिता अध्यक्ष मोहिनी देवी तथा कोषाध्यक्ष जानकी आर्य, सचिव रेखा मठपाल द्वारा सभी सदस्यों को शुभकामनाएं देते हुए परियोजना द्वारा योजनाओं का लाभ लेने को कहा गया और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने की बात कही। इस बैठक में समस्त शेयर धारक, ब्लॉक द्वाराहाट रिप स्टाप एमएंडई डॉली बिष्ट, एएचओ प्रवीन सिंह, सहकारिता लेखाकार प्रभा नेगी, उगता सूरज कामा सहकारिता समन्वयक मोहित भंडारी तथा सिद्धपीठ एसआरसी दूनागिरी की आजीविका सुगमकर्ता पूनम ने प्रतिभाग किया गया।

सचिव विनोद कुमार सुमन ने जनकल्याणकारी योजनाओं की भौतिक प्रगति की समीक्षा की

अल्मोड़ा। सचिव सचिवालय प्रशासन उत्तराखण्ड सरकार विनोद कुमार सुमन ने अपने अल्मोड़ा जनपद भ्रमण के दौरान विकास भवन सभागार में केन्द्र सरकार व राज्य सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं की भौतिक प्रगति की समीक्षा सभी जनपद स्तरीय अधिकारियों के साथ की। सचिव ने विभागवार योजनाओं की समीक्षा करते हुए सभी अधिकारियों को निर्देश दिये कि संचालित योजनाओं का कार्य समयबद्धता के साथ करना सुनिश्चित करें। उन्होंने लघु सिंचाई, सिंचाई, कृषि, उद्यान, जल निगम, पीएमजीएसवाई, लोनिवि सहित अन्य विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिये कि विभाग में संचालित योजनाओं का लाभ जनता को मिले इसके लिए सभी अधिकारी व्यक्तिगत रूचि लेकर कार्य करें। सचिव ने कहा कि जिला योजना, राज्य सैक्टर, केन्द्र पोषित योजनाओं की धनराशि को माह अक्टूबर तक 70 प्रतिशत खर्च करना सभी विभाग सुनिश्चित करें। उन्होंने जल जीवन मिशन योजनान्तर्गत जनपद में किये जा रहे कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि सभी चरणों का कार्य मार्च, 2024 तक पूर्ण करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि इस योजना के कार्यों की समीक्षा बैठक समय-समय पर शासन स्तर से की जाती है। उन्होंने उद्यान विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि एप्पल मिशन योजना को कलस्टर के माध्यम से जनपद में कराना सुनिश्चित करें। इस दौरान सचिव ने जनपद में लम्बित महत्वपूर्ण योजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं हेतु जो भी कार्यवाही व पत्राचार शासन स्तर पर किया जाना है उसे समय से करना सुनिश्चित करें। इस अवसर पर जिलाधिकारी विनीत तोमर ने समीक्षा के दौरान सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिये कि सचिव उत्तराखण्ड सरकार द्वारा विभागीय योजनाओं को पूर्ण करने हेतु जो निर्देश दिये गये है उनका अनुपालन करना सुनिश्चित करें। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी आंकाक्षा कोण्डे, परियोजना निदेशक पुष्पेन्द्र सिंह, मुख्य कोषधिकारी हेमेन्द्र प्रकाश गंगवार सहित सभी जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

सचिव विनोद कुमार सुमन ने किया राजकीय कुक्कुट प्रक्षेत्र का भ्रमण

अल्मोड़ा। सचिव सचिवालय प्रशासन उत्तराखण्ड सरकार विनोद कुमार सुमन द्वारा विकासखण्ड हवालबाग में स्थित राजकीय कुक्कुट प्रक्षेत्र का भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान उन्होंने कहा कि कुक्कुट पालन से अधिक से अधिक लोगों को जोडने के प्रयास किये जाय। सचिव ने किए जा रहे कुक्कट पालन के कार्यों को देखकर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि इस तरह के कार्यों से लोग स्वरोजगार की ओर बढ़ेंगे।

आगामी त्योहारों के दृष्टिगत कोतवाली कर्णप्रयाग पुलिस ने कर्णप्रयाग क्षेत्र के व्यापार संघ/व्यवसायियों के साथ की बैठक

न्यूज वायरस नेटवर्क

चमोली 20 अक्टूबर : पुलिस अधीक्षक चमोली रेखा यादव (IPS) के आदेशानुसार आगामी त्योहारों दशहरा, दीपावली, धनतेरस व अन्य मेलों को सकुशल सफल संपन्न कराए जाने हेतु आज दिनांक 19/10/2023 को चौकी बाजार कर्णप्रयाग में कर्णप्रयाग क्षेत्र के व्यापार मंडल के पदाधिकारियों, पटाखा व्यवसायियों व तथा ज्वेलर्स की दुकानदारों के साथ मीटिंग आयोजित की गयी।

मीटिंग में मुख्यतया निम्न बिंदुओं पर वार्ता की गई-

कोई भी व्यवसायी अपनी दुकान के आगे सड़क पर समान नहीं फैलाएगा अन्यथा उसके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। सभी पटाखा व्यवसायी प्रशासन द्वारा निर्धारित स्थल पर निर्धारित लाइसेंस जारी कर दी गई शर्तों का पालन करते हुए अपनी आतिशबाजी का समान बेचेंगे।

सभी ज्वेलर्स डिमांड के अनुरूप ही गोल्ड आदि का सामान लॉकर से बाहर निकालें व लगाए गए सीसीटीवी कैमरे को भी एक बार चेक कर लें कि ठीक तरीके से कार्य कर रहे हैं कि नहीं। दीपावली, धनतेरस मुख्य पर्व के दिन सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि कोई भी व्यापारी अपना वाहन अपनी दुकान के आगे व आसपास खड़ा नहीं करेगा जिससे कि यातायात व्यवस्था में कोई व्यवधान उत्पन्न न हो।दीपावली मुख्य पर्व के अवसर पर 02 दिन बड़े भारी वाहन जिन्हें गोपेश्वर जोशीमठ चमोली जाना हो वह सीधे मुख्य हाईवे से ही जाएंगे मुख्य बाजार पीपल तिराहे की ओर से जाने नहीं दिया जाएगा । संदिग्ध व्यक्तियों पर नजर रखने तथा किसी भी प्रकार का शक होने पर तत्काल पुलिस को सूचित करने के संबंध में बताया गया।सभी को यातायात नियमों का पालन करने व दो पहिया वाहन पर हेलमेट पहनने तथा नशे के दुष्प्रभावों के प्रति अपने बच्चों को जागरूक करने हेतु बताया गया। साइबर अपराधों के दृष्टिगत सतर्क रहने तथा अपने बच्चों को भी जागरूक करने हेतु बताया गया।

त्योहारों के दृष्टिगत कोतवाली कर्णप्रयाग पुलिस ने क्षेत्र के व्यवसायियों के साथ की बैठक

न्यूज वायरस नेटवर्क

चमोली 20 अक्टूबर : पुलिस अधीक्षक चमोली रेखा यादव (IPS) के आदेशानुसार आगामी त्योहारों दशहरा, दीपावली, धनतेरस व अन्य मेलों को सकुशल सफल संपन्न कराए जाने हेतु आज दिनांक 19/10/2023 को चौकी बाजार कर्णप्रयाग में कर्णप्रयाग क्षेत्र के व्यापार मंडल के पदाधिकारियों, पटाखा व्यवसायियों व तथा ज्वेलर्स की दुकानदारों के साथ मीटिंग आयोजित की गयी।मीटिंग में मुख्यतया निम्न बिंदुओं पर वार्ता की गई-कोई भी व्यवसायी अपनी दुकान के आगे सड़क पर समान नहीं फैलाएगा अन्यथा उसके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। सभी पटाखा व्यवसायी प्रशासन द्वारा निर्धारित स्थल पर निर्धारित लाइसेंस जारी कर दी गई शर्तों का पालन करते हुए अपनी आतिशबाजी का समान बेचेंगे।सभी ज्वेलर्स डिमांड के अनुरूप ही गोल्ड आदि का सामान लॉकर से बाहर निकालें व लगाए गए सीसीटीवी कैमरे को भी एक बार चेक कर लें कि ठीक तरीके से कार्य कर रहे हैं कि नहीं। दीपावली, धनतेरस मुख्य पर्व के दिन सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि कोई भी व्यापारी अपना वाहन अपनी दुकान के आगे व आसपास खड़ा नहीं करेगा जिससे कि यातायात व्यवस्था में कोई व्यवधान उत्पन्न न हो। दीपावली मुख्य पर्व के अवसर पर 02 दिन बड़े भारी वाहन जिन्हें गोपेश्वर जोशीमठ चमोली जाना हो वह सीधे मुख्य हाईवे से ही जाएंगे मुख्य बाजार पीपल तिराहे की ओर से जाने नहीं दिया जाएगा । संदिग्ध व्यक्तियों पर नजर रखने तथा किसी भी प्रकार का शक होने पर तत्काल पुलिस को सूचित करने के संबंध में बताया गया।सभी को यातायात नियमों का पालन करने व दो पहिया वाहन पर हेलमेट पहनने तथा नशे के दुष्प्रभावों के प्रति अपने बच्चों को जागरूक करने हेतु बताया गया। साइबर अपराधों के दृष्टिगत सतर्क रहने तथा अपने बच्चों को भी जागरूक करने हेतु बताया गया।

ऋषिकेश में No पार्किंग में गाड़ी खड़ी करना पड़ेगा भारी

न्यूज वायरस नेटवर्क

ऋषिकेश 20 अक्टूबर : ऋषिकेश शहर उत्तराखंड के उन शहरों में से एक है, जो अक्सर जाम से जूझते रहते हैं। बदहाल ट्रैफिक व्यवस्था के अलावा एक और वजह है, जिसके चलते लोगों को परेशान होना पड़ता है और वो है गाड़ी को जहां-तहां पार्क करने की आदत। ऐसे लोगों को सुधारने के लिए ट्रैफिक पुलिस ने खास प्लान बनाया है। ट्रैफिक रूल्स तोड़ने वालों पर ड्रोन से नजर रखी जा रही है।

शहर में ड्रोन ने पहले दिन गलत जगह पार्क किए गए 25 वाहनों का चालान काटा है। ट्रैफिक पुलिस ने पहले दिन 25 वाहनों के ऑनलाइन चालान काट उनके चालकों के घर भेज दिए। अगर आप भी ऋषिकेश में रहते हैं तो ट्रैफिक रूल्स तोड़ने की गलती न करें, क्योंकि ट्रैफिक पुलिस का ड्रोन आपकी हर हरकत देख रहा है। देहरादून की तरह ऋषिकेश में भी ट्रैफिक पुलिस की टेक्निकल टीम ने ड्रोन उड़ाया। इस दौरान ड्रोन ने नो पार्किंग जोन में खड़े वाहनों की तस्वीरें खींची।

कुछ ही देर में ट्रैफिक पुलिस ने ऑनलाइन

चालान काट मैसेज संबंधित वाहन के मालिक के मोबाइल पर पहुंचा दिया। ट्रैफिक इंचार्ज अनवर खान ने बताया कि पहले दिन कुछ घंटे की कार्रवाई में ही 25 वाहन नो पार्किंग में खड़े हुए देखे गए। जिनके खिलाफ चालान काटने की कार्रवाई की गई। देहरादून में भी ड्रोन के जरिए चालान काटने की कार्रवाई शुरू की गई है। बेतरतीब ढंग से कहीं भी वाहन पार्क करने वालों को सबक सिखाया जा रहा है। ट्रैफिक इंचार्ज ने बताया कि शहर में अभियान आगे भी जारी रहेगा। इससे शहर की ट्रैफिक व्यवस्था बेहतर बन सकेगी।

संक्षिप्त खबरें

तीर्थनगरी के इमरान ने जीता स्वर्ण पदक

ऋषिकेश। तीर्थनगरी निवासी इमरान खान ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खो-खो प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया। इमरान भारतीय टीम अंडर-19 के वाइस कैप्टन भी रहे। गुरुवार को ऋषिकेश में इमरान का स्वागत किया गया। बीती 16 अक्तूबर को मलेशिया में हुए ट्रैंगुलर खो-खो प्रतियोगिता में तीर्थनगरी निवासी इमरान खान ने भारतीय टीम का हिस्सा बन जीत दर्ज की। इमरान अपनी टीम के वाइस कैप्टन भी रहे। उन्होंने स्वर्ण पदक जीत कर देश व राज्य का नाम रोशन किया। इस मैच में भारत सहित मलेशिया और इंडोनेशिया की टीम ने भी प्रतिभाग किया। गुरुवार को इमरान के पुराने स्कूल पंजाब सिंध क्षेत्र इंटर कॉलेज में उनका और उनके कोच नागेश राजपूत का माल्यार्पण कर सम्मान किया गया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य ललित किशोर शर्मा के अलावा समस्त शिक्षकगण मौजूद रहे।

ऋषिकेश कैंपस का छात्र चाइना में सिखाएगा योग

ऋषिकेश। श्रीदेवसुमन विश्वविद्यालय के ऋषिकेश कैंपस के योग साधक राहुल अब चीन के लोगों को योग का प्रशिक्षण देते नजर आएंगे। राहुल इससे पहले विभिन्न विश्वविद्यालयों में योगासन प्रतियोगिताओं में श्रेष्ठ स्थान पाकर कैंपस का नाम रोशन कर चुके हैं। तीर्थनगरी निवासी राहुल कुमार ऋषिकेश कैंपस के योग विज्ञान विभाग के छात्र हैं। वर्ष 2018 से अब तक राहुल ऋषिकेश सहित देहरादून, श्रीनगर गढ़वाल, दिल्ली व अन्य कई विश्वविद्यालयों में आयोजित योगासन प्रतियोगिताओं में अव्वल स्थान पा चुके हैं। पिछले 5 वर्षों से वे निरंतर अलग-अलग योग केंद्रों में योग का प्रशिक्षण देते आ रहे हैं। इससे पूर्व वे एक वर्ष वियतनाम में भी अपनी कक्षाएं चला चुके हैं। हफ्तेभर में राहुल चीन के लिए रवाना होंगे। वहां वह विदेशियों को योगासनों के अलावा ध्यान का भी प्रशिक्षण देंगे। ऋषिकेश कैंपस के निदेशक डॉ. एमएस रावत ने छात्र को शुभकामनाएं दीं। योग विज्ञान विभाग के प्रवक्ता डॉ. जय प्रकाश कंसवाल ने बताया कि इससे पूर्व भी योग विज्ञान विभाग के कई छात्र-छात्राएं विदेशी भूमि पर योग का प्रशिक्षण देकर कैंपस का नाम रोशन कर रहे हैं। योग विभाग के समन्वयक प्रो. वीके गुप्ता, चंद्रेश्वरी नेगी,वीना रयाल व हिमानी नौटियाल ने राहुल की सराहना की है।

गुज्जर प्लाट में सडक़ों पर खर्च होंगे एक करोड़

ऋषिकेश। गुज्जर प्लाट में करीब एक करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली कई आंतरिक सडक़ों का मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने भूमि पूजन कर शिलान्यास किया। इस दौरान स्थानीय लोगों ने विकास कार्यों के लिए मंत्री अग्रवाल पर पुष्प वर्षा कर उनका आभार जताया। गुरुवार को गुज्जर प्लाट में आयोजित कार्यक्रम में मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल का स्थानीय लोगों ने फूल-मालाओं से स्वागत किया। अग्रवाल ने कहा कि बतौर विधायक सोलह साल में उन्होंने कई विकास कार्य किए हैं। छोटी गलियों से लेकर नेशनल हाईवे को आबादी के लिहाज से विकसित कर चाक-चौबंद कराया गया है। अग्रवाल ने केंद्र और राज्य सरकार की विकास योजनाओं को गिनाते हुए कहा कि भाजपा सरकार अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाने में विश्वास रखती है। मौके पर सुरेंद्र मोघा, पार्षद विजेंद्र मोघा, वीरेंद्र रमोला, पुरुषोत्तम राणा, अनिल कुमार, सुनीता देवी, आशा देवी, अनीता देवी, धर्म सिंह गुनसोला, एई सतीश कुमार, लक्ष्मी गुप्ता आदि रहे।

नहीं रहे पेंशनर्स संगठन के सचिव वीरेन्द्र

ऋषिकेश। सेवानिवृत्त राजकीय पेंशनर्स संगठन मुनिकीरेती-ढालवाला शाखा के सचिव वीरेन्द्र कुमार पोखरियाल के आकस्मिक निधन से संगठन और परिजनों में शोक की लहर दौड़ गई। गुरुवार को पूर्णानंद घाट पर उनके पुत्र ने उन्हें मुखग्नि दी। वीरेन्द्र के निधन पर शाखा से जुड़े सदस्यों ने दो मिनट का मौन रख कर दिवंगत आत्मा की शान्ति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। उनके दोनों पुत्र मनोज और नवीन ने उनकी चिता को मुखाग्नि दी। सेवानिवृत्त राजकीय पेन्शनर्स संगठन उत्तराखंड के प्रदेश अध्यक्ष विरेन्द्र सिंह कृषाली ने कहा कि वीरेन्द्र पोखरियाल के आकस्मिक निधन से पेंशनर संगठन और पूरे क्षेत्र की अपूर्णीय क्षति हुई है।